पी र जी ऐ नंबर। TGHIN/26/A7665

श्वेता विजन

"नजरिया साफ, खघ्बरें निष्पक्ष" हिंदी दैनिक समाचार पत्र

।ब्ठ के जाल में छप्पै हैदराबाद के एडिशनल मेडिकल सुपरिटेंडेंट और एडिशनल प्रोफेसर श्री नोरी लक्ष्मी भास्कर

2

गुरुवार 01 अक्टूबर 2026 हैदराबाद से प्रकाशित WEB SITE : Shwetha.co.in संपादक : रघुराम राजू कालीदिंडी पुष्ट – 1। अंक – 16। वर्ष – 8। मूल्य – 3रु

पीएम मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप के बीच हुई बात. चीत, आपसी सहयोग और ग्लोबल शांति व सुरक्षा को बढ़ावा देने की कोशिशों पर चर्चा की

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से फोन पर बातचीत की. इस दौरान उन्होंने व्यापार, रक्षा, अहम टेक्नोलॉजी और दूसरे क्षेत्रों में आपसी सहयोग में हुई प्रगति की समीक्षा की. प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप ने क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रमों पर भी विचार–विमर्श किया और ग्लोबल शांति व सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए चल रही कोशिशों पर चर्चा की.प्रधानमंत्री कार्यालय से जारी एक बयान के मुताबिक, दोनों नेताओं ने भारत–अमेरिका व्यापक ग्लोबल रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने के अपने संकल्प को दोहराया और दोनों देशों के लोगों के फायदे के लिए सहयोग को और गहरा करने के मकसद से करीबी संपर्क बनाए रखने पर सहमति जताई.बयान में कहा गया, "दोनों नेताओं ने व्यापार, रक्षा, ऊर्जा, अहम टेक्नोलॉजी और आपसी हित के अन्य क्षेत्रों में आपसी सहयोग में हुई प्रगति की समीक्षा की."

मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "राष्ट्रपति ट्रंप के साथ सार्थक बात. चीत हुई. हमने व्यापार, रक्षा, ऊर्जा, अहम टेक्नोलॉजी और अन्य क्षेत्रों में अपने आपसी सहयोग की समीक्षा की." उन्होंने कहा, "हम अपनी व्यापक ग्लोबल रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए करीबी संपर्क बनाए रखने पर सहमत हुए." दोनों नेता संपर्क में बने रहने पर सहमत हुए.

इस साल दोनों नेताओं के बीच फोन पर यह चौथी बातचीत

पीएम मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच साल 2026 में पीएम मोदी और डोनाल्ड ट्रंप के बीच इस साल की यह चौथी बातचीत है जो फोन पर हुई है. इससे पूर्व यह दोनों नेता तीन बार फोन पर बातचीत कर चुके हैं. दोनों के बीच 2 फरवरी, 24 मार्च और 14 अप्रैल को फोन पर बातचीत हुई थी.

पीएम मोदी दिसंबर में अमेरिका दौरे पर जा सकते हैं

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और पीएम मोदी के बीच यह बातचीत महत्वपूर्ण मानी जा रही है, क्योंकि दोनों देशों के बीच व्यापार और अन्य मुद्दों पर बातचीत चल रही है. मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, पीएम मोदी ने 14–15 दिसंबर को अमेरिका के फ्लोरिडा में होने वाली जी–20 शिखर सम्मेलन में भाग ले सकते हैं. इस दौरान वह राष्ट्रपति ट्रंप के साथ द्विपक्षीय बैठक भी कर सकते हैं. हालांकि पीएम मोदी के अमेरिका दौरे को लेकर अभी कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है.

इंडिया गठबंधन : पांच बड़ी रैलियों की घोषणा, राहुल बोले– बर्बाद करने वालों को सजा दिलाकर रहेंगे

नई दिल्ली : इंडिया गठबंधन की बुधवार को नई दिल्ली में बैठक हुई. इसमें शामिल सभी दलों ने मिलकर काम करने का फैसला किया है. बैठक में नेताओं ने अक्टूबर–नवंबर में पांच बड़ी रैलिया करने की जानकारी दी. कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि रैलियों के लिए जगह और तारीखें जल्द ही तय कर ली जाएगी. उन्होंने कहा कि एक नवंबर को दिल्ली में एक बड़ी रैली आयोजित की जाएगी क्योंकि अब हर कोई मानता है कि राहुल और दीदी 'वोट चोरी' के बारे में जो कहते थे, वह सही था.इंडिया गठबंधन की बैठक के बाद, कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा, "इंडिया गठबंधन के सभी नेताओं का यह पक्का वादा है कि हम यह पक्का करेंगे कि जिन लोगों ने भारतीय लो. कतंत्र को बर्बाद किया है, उन्हें सजा मिले. इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि वे कितने सीनियर हैं या कौन हैं. भारतीय लोकतंत्र इस देश के हर व्यक्ति से बड़ा है. बैठक में यह भावना भी थी कि विपक्ष भारत के लोगों तक यह बात पहुंचाने में काफी सफल रहा है कि चुनाव में धांधली हुई है, नरेंद्र मोदी और अमित शाह ने लोकतंत्र को बर्बाद कर दिया है, और लोगों में – खासकर युवाओं में – विरोध की एक नई भावना पैदा हुई है कि भारत में जो हो रहा है वह गलत है और उसे रोका जाना चाहिए."

राहुल गांधी ने कहा, "मैं विपक्ष के सभी नेताओं से कहना चाहता हूं कि वे भारतीय संविधान के सामूहिक रक्षक हैं और हमारे लिए साथ मिलकर काम करना सम्मान की बात है. हमें भरोसा है कि आने वाले कुछ महीनों में हम देश में बड़े बदलाव लाएंगे."कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, "असल में, चुनाव आयोग के अंदर दो–तीन लोग सिर्फ मोहरे हैं, जबकि अमित शाह और मोदी उन्हें कठपुतली की तरह नचा रहे हैं... सभी पार्टियों ने मिलकर यह लड़ाई लड़ने की बात कही." उन्होंने उन बिंदुओं की जानकारी दी, जिस पर सहमति बन चुकी है.

2 से 8 अक्टूबर तक लोकतंत्र बचाओ मार्च– इसमें देशभर में सेव डेमोक्रेसी मार्च निकालने का किया गया फैसला. जिला स्तर पर प्रदर्शन. मकसद चुनाव प्रक्रिया, मतदाता सूची और लो. कतांत्रिक अधिकारों से जुड़े मुद्दों को जनता के बीच उठाना.

6 अक्टूबर को चुनाव आयोग तक मार्च – विपक्षी सांसद चुनाव आयोग के कार्यालय तक मार्च करेंगे.

राष्ट्रपति से मिलने का मांगेंगे समय. इंडिया गठबंधन की बैठक के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा, "उन्हें (सीईसी ज्ञानेश कुमार) तुरंत इस्तीफा दे देना चाहिए. आइए लोकतंत्र को बचाएं और लोगों की सुरक्षा व वोटिंग के अधिकारों को सुरक्षित करें... ये हमारे संवैधानिक अधिकार हैं. लोगों के प्रति हमारी यह जिम्मेदारी है. अगर लोग वोट नहीं दे रहे हैं, अगर उनके वोट लूटे जा रहे हैं और उनके साथ धोखाधड़ी हो रही है, तो देश किस ओर जाएगा? इसलिए, हमारी गुजा. रिश है... यह हमारी मांग है. हमारी जोरदार मांग है."

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बुधवार को भविष्य के चुनावों के लिए एसआईआर से पहले वाली वोटर लिस्ट का इस्तेमाल करने और ईवीएम की जगह बैलेट पेपर से

चुनाव आयोग ने आंध्र प्रदेश और मेघालय में ैप्ट की समय सीमा बढ़ाई

बुधवार को आंध्र प्रदेश और मेघालय में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (ैप्ट) की समय सीमा बढ़ा दी है. यह निर्णय मुख्य चुनाव आयोग ज्ञानेश कुमार सहित चुनाव आयोग की पूर्ण पीठ ने यहां अपने मुख्यालय में आयोजित एक बैठक के दौरान लिया.आज शाम जारी एक विज्ञप्ति में चुनाव आयोग ने कहा, "भारतीय चुनाव आयोग की एक बैठक आज शाम 4.30 बजे निर्वाचन सदन नई दिल्ली में आयोजित की गई. बैठक में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार, चुनाव आयुक्त डॉ सुखबीर सिंह संधू और डॉ विवेक जोशी ने भाग लिया." बैठक के दौरान आंध्र प्रदेश और मेघालय में एसआईआर का विस्तार करने का निर्णय लिया गया.

चुनाव आयोग द्वारा घोषित संशोधित कार्यक्रम के मुताबिक, आंध्र प्रदेश में दावों और आपत्तियों का नोटिस चरण, निपटान 31 जुलाई से लेकर 10 अक्टूबर तक जारी रहेगा. अंतिम मतदाता सूची 16 अक्टूबर को जारी की जाएगी. इसी तरह, मेघालय में, चुनाव आयोग द्वारा जारी बयान के अनुसार, अंतिम मतदाता सूची 26 अक्टूबर को प्रकाशित की जाएगी. वर्तमान में एसआईआर का तीसरा चरण 16 राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों में चरणबद्ध तरीके से किया जा रहा है. इन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में दिल्ली, उत्तराखंड, कर्नाटक, नागालैंड, झारखंड, त्रिपुरा, मेघालय और महाराष्ट्र शामिल हैं. चुनाव आयोग के मुताबिक, एसआईआर अभ्यास का उद्देश्य सभी पात्र मतदाताओं को शामिल करके और अयोग्य मतदाताओं को बाहर करके मतदाता सूची का शुद्धिकरण करना है.

एसआईआर की कवायद से निपटने के तरीके को लेकर उठ रहे सवालों के बीच निर्वाचन आयोग ने फैसला किया है कि अब लोगों को एसआईआर प्रपत्र में विसंगतियों के संबंध में चुनाव अधिकारियों के समक्ष सुनवाई के लिए उपस्थित नहीं होना होगा. इसके अलावा जिन राज्यों में एसआईआर की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है वहां नए मतदाताओं

'31 दिसंबर 2029 तक पंजाब को नशा मुक्त कर देंगें', अमित शाह का ऐलान, ।।ड पर 'चिट्टा' का तंज

जालंधर (पंजाब) : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को आरोप लगाया कि पंजाब में आप सरकार ने 'चिट्टा' (सिंथेटिक ड्रग्स) के व्यापार को खुलेआम फलने–फूलने दिया है और कसम खाई कि अगर भाजपा सत्ता में आई तो 31 दिसंबर, 2029 तक पंजाब को ड्रग्स के व्यापार से मुक्त कर देगी.जालंधर में भाजपा की नशा मुक्त पंजाब यात्रा को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि भाजपा आने वाले विधानसभा चुनाव में नशा मुक्त पंजाब को अपने अभियान का मुख्य मुद्दा बनाएगी.शाह ने कहा, "आज पंजाब को ड्रग–फ्री बनाने का समय क्यों आ गया है? क्योंकि आप पार्टी की सरकार ने चिट्टा (सिंथेटिक ड्रग्स) के व्यापार को खुलेआम फलने–फूलने दिया."उन्होंने कहा, "मैं आज पंजाब के लोगों को यह बताने आया हूं कि पंजाब चुनाव में कई मुद्दे हैं– किसानों के मुद्दे, उद्योग के मुद्दे, कानून–व्यवस्था के मुद्दे, महिला सुरक्षा के मुद्दे. लेकिन आने वाला चुनाव, भाजपा, पूरी तरह से ड्रग–फ्री पंजाब के मुद्दे पर, ड्रग–फ्री पंजाब के लिए लड़ने जा रही है. "शाह ने पंजाब के लोगों से भाजपा को सपोर्ट करने की अपील की और कहा कि पार्टी 2029 के आखिर तक चिट्टे के व्यापार को खत्म करने की दिशा में काम करेगी.उन्होंने

SIR बना सियासी हथियार... भाजपा ने भी विपक्ष तेज किया राजनीतिकपलटवार

नई दिल्ली: मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (ैप्ट) को लेकर विपक्ष के तीखे हमले के बीच भाजपा ने भी राजनीतिक पलटवार तेज कर दिया है. पार्टी की कोशिश है कि यह बहस केवल 'वोट चोरी' तक सीमित न रहे. भाजपा इसे संवैधानिक संस्थाओं पर हमला, इंडिया गठबंधन की दरार और कांग्रेस की वंशवादी राजनीति से जोड़कर पेश कर रही है. भाजपा अब सीधे तौर पर इंडिया गठबंधन की प्रस्तावित यात्रा को परिवारवाद और वंशवाद बचाओ यात्रा का नाम देकर प्रचारित प्रसारित करने की योजना बना रही है.भाजपा चुनाव आयोग के स्पष्टीकरण को ढाल बनाकर सबसे मजबूत तर्क के तौर पर रख रही है. आयोग ने कहा है कि एसआईआर से जुड़े फैसले तीनों चुनाव आयुक्तों की सर्वसम्मति से लिए गए. भाजपा नेताओं का कहना है कि विपक्ष लंबे समय से आयोग के अंदर 'रार' और 'दबाव' का आरोप लगा रहा था. अब आयोग के बयान के बाद भाजपा इसे झूठा प्रचार बता रही है. पार्टी का आरोप है कि कांग्रेस हार के बाद संस्थाओं की विश्वसनीयता गिराने की कोशिश कर रही है, ताकि अगले चुनावों के लिए मैदान पहले से कमजोर किया जा सके.

इस बीच केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भाजपा मुख्यालय से इंडिया गठबंधन की बैठक को बिखरे हुए कुनबे की बैठक बताया और साथ ही ये भी आरोप लगाए कि विपक्षी गठबंधन में एकता नहीं, गठबंधन में नेतृत्व संकट है.दिल्ली में हुई इंडिया गठबंधन की बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने विपक्ष की एकता पर भी सवाल उठाया. उन्होंने कहा कि गठबंधन में और खुद कांग्रेस में भी राहुल गांधी को नेता मानने वाले तैयार नहीं हैं. इसी वजह से कई दल और नेता बैठक में शामिल नहीं हुए.

दिल्ली से जानकारी देती ईटीवी भारत की वरिष्ठ संवाददाता अनामिका रत्ना की रिपोर्ट (म्न्ट ठीतंज)

पार्टी सूत्रों की मानें तो भाजपा इसे विपक्षी एकजुटता का सबूत नहीं, बल्कि नेतृत्व संकट बताकर प्रचार प्रसार करेगी.अखिलेश यादव के दूर रहने, ।।ड और डीएमके की अनुपस्थिति को पार्टी बार–बार दोहरा रही है. भाजपा का संदेश है कि कांग्रेस एसआईआर के नाम पर बैठक बुला रही है, लेकिन सहयोगी दल राहुल गांधी की अगुवाई स्वीकार नहीं कर रहे. भाजपा ने कांग्रेस की यात्रा को 'वंशवाद की यात्रा' भी करार दिया है.इसके अलावा पार्टी कांग्रेस की यात्राओं पर भी हमले बोल रही है. कर्नाटक में शुरू हुई भारत जोड़ो यात्रा 2.0 को भाजपा 'वंशवाद की यात्रा' बता रही है. पार्टी का आरोप है कि सूखा, किसान और स्थानीय मुद्दा. के नाम पर निकाली गई ये पदयात्राएं असल में गांधी परिवार को फिर राजनीतिक केंद्र बनाने का अभियान हैं. भाजपा का तर्क है कि कांग्रेस जब भी दबाव में होती है, नया मुद्दा उठाती हैकुकभी ईवीएम, कभी एसआईआर, कभी यात्रा. लेकिन हर अभियान अंत में परिवार पर आकर टिक जाता है.

तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के "गांधी परिवार बनाम संघ परिवार" वाले बयान को भाजपा ने कांग्रेस की खुली स्वीकारोक्ति करार दिया. भाजपा का कहना है कि कांग्रेस अब छिपा नहीं रही कि उसकी लड़ाई संविधान या मतदाता सूची की नहीं, परिवार को सत्ता में वापस लाने की है.

साथ ही पार्टी हालिया राज्यों के चुनावी नतीजों से भी आरोप काटने की कोशिश कर रही है जिसके तहत इन मुद्दों को भाजपा चुनावी परिणामों से जोड़ रही है. पार्टी का कहना है कि बिहार समेत कई राज्यो में विपक्ष ने वोट कटने, नाम हटने और आयोग पर पक्षपात का शोर मचाया. इसके बावजूद जनता ने एनडीए को जिताया. इसलिए भाजपा के अनुसार ये आरोप तथ्य नहीं, हार के बाद की भाषा है.सूत्रों की मानें तो भाजपा इंडिया गठबंधन पर चौतरफा हमले करेगी जिसके तहत राज्यों में ऑरिज कॉन्फ्रेंस तो किए ही जायेंगे साथ ही भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों से भी कहा गया है कि वो भी चुनाव आयोग का बचाव करें और विपक्ष से माफी मांगने की मांग करें.

कुल मिलकर रणनीति है कई मोर्चों पर कांग्रेस को घेरने की. पहला, एसआईआर को आयोग की सर्वसम्मत और कानूनी प्रक्रिया बताना. दूसरा, इंडिया गठबंधन की बैठक को राहुल गांधी के नेतृत्व संकट से जोड़ना. तीसरा, कांग्रेस की यात्राओं को वंशवाद की यात्रा बताकर मूल मुद्दे से ध्यान हटाना.यही नहीं, भाजपा इसे हार के बाद संस्थाओं पर हमला और

खेती विजन
सच देखे । सही दिखाए

।ब्ठ के जाल में छप्डै हैदराबाद के एडिशनल मेडिकल सुपरिटेंडेंट और एडिशनल प्रोफेसर श्री नोरी लक्ष्मी भास्कर

अमीर हुसैन, क्राइम ब्यूरो चीफ

इससे पहले, निजाम्स इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (छप्डै), हैदराबाद के एडिशनल मेडिकल सुपरिटेंडेंटध्एडिशनल प्रोफेसर श्री नोरी लक्ष्मी भास्कर के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का मामला (ब्त.छव.6ध्त्ब्ठ।—ब्ल्ठ ।ब्ठ2026, तारीख 21. 09.2026) धारा 13(1)(इ) और 13(2) के तहत दर्ज किया गया था।पहले की तलाशी के सिलसिले में और ैच और ।ब्ठ मामलों के माननीय प्रिंसिपल स्पेशल जज, हैदराबाद द्वारा जारी सर्च वारंट के आधार पर, हैदराबाद और उसके आस—पास 5 अलग—अलग जगहों पर तलाशी ली गई। इनमें उन संदिग्ध बेनामीदारों (जिनके नाम पर संपत्ति रखी गई हो) के घर भी शामिल थे, जिनके बारे में आरोप है कि उन्होंने आरोपी अधिकारी के साथ वित्तीय और अन्य लेन—देन किए थे।

तलाशी के दौरान, संदिग्ध बेनामी संपत्तियों से जुड़े सबूत के तौर पर कई दस्तावेज और अन्य चीजें संदिग्ध बेनामीदारों के घरों से जब्त की गई। छप्डै के कर्मचारी धनराज के घर से 4,94,394 रुपये नकद जब्त किए गए। इसके अलावा, कई दस्तावेज भी मिले: महेश्वरम में लगभग 57 लाख रुपये कीमत की खेती की 3 जमीनेंय डस। कॉलोनी, बंजारा हिल्स की वेंकटेश्वर कोऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी में 2,70,00,000 रुपये कीमत का एक खुला प्लॉटय और छप्डै के आउटसोर्सिंग कर्मचारी डी. गणेश व अन्य के नाम पर 20,00,000 रुपये के दो निवेश। साथ ही, 3,00,000 रुपये के हाथ—उधार (ींदक सवंद) की रसीदें भी मिलीं।

अतिरिक्त संपत्तियों की और जांच चल रही है। मामले की जांच जारी है। फोन नंबर—1064 (टोल—फ्री नंबर) पर कॉल करेंअगर कोई सरकारी कर्मचारी रिश्वत मांगता है, तो जनता से अनुरोध है कि वे कानून के अनुसार कार्रवाई के लिए ।ब्ठ के टोल—फ्री नंबर 1064 पर संपर्क करें। ।ब्ठ तेलंगाना से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ॅींजे।चच (9440446106), थ्बमइववा (ज्मसंदहंदं ।ब्ठ) और ग (थ्पहले ज्ूपजजमत – ज्मसंदहंदं ।ब्ठ) के जरिए भी संपर्क किया जा सकता है। सभी सरकारी दफ्तरों और प्रमुख सार्वजनिक जगहों पर ।ब्ठ तेलंगाना से संपर्क करने के लिए फ्ट कोड भी लगाया गया है। शिकायत करने वालेध्पीड़ित का नाम और जानक. ारी गुप्त रखी जाएगी।एंटी—करप्शन ब्यूरो, तेलंगाना, हैदराबाद

तेलंगाना हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस अपारेश कुमार के सुप्रीम कोर्ट जज बनने की संभावना

अमीर हुसैन, क्राइम ब्यूरो चीफ

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने दिल्ली और गुजरात हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस के नाम भी पदोन्नति के लिए सुझाएएक अहम घटनाक्रम में, सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने सोमवार को तेलंगाना हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस अपारेश कुमार सिंह का नाम सुप्रीम कोर्ट के जज के तौर पर पदोन्नति के लिए सुझाया।अपारेश कुमार के अलावा, कॉलेजियम ने गुजरात और दिल्ली के चीफ जस्टिस के नाम भी सुप्रीम कोर्ट के जज के तौर पर पदोन्नति के लिए सुझाए हैं।पांच सदस्यों वाले सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम – जिसमें चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया

(ब्श्र) और जस्टिस विक्रम नाथ, बी.वी. नागरत्ना, एम.एम. सुंदरेश और पी.एस. नरसिम्हा शामिल हैं – ने सोमवार को हुई बैठक में यह फैसला लिया। अगर केंद्र सरकार इन नामों को मंजूरी देती है, तो सुप्रीम कोर्ट में जजों की कुल संख्या 38 की स्वीकृत क्षमता के मुकाबले बढ़कर 37 हो जाएगी। अभी सुप्रीम कोर्ट में 34 जज काम कर रहे हैं। हाल ही में, सुप्रीम कोर्ट (जजों की संख्या) संशोधन अधिनियम के जरिए सुप्रीम कोर्ट की कुल क्षमता 34 से बढ़ाकर 38 की गई थी।

अब कॉलेजियम की सिफारिश पर सुप्रीम कोर्ट में जजों की नियुक्ति की तय प्रक्रिया के अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मोइनाबाद नगर पालिका की टाउन प्लानिंग ऑफिसर A1 और सीनियर असिस्टेंट A2 ।ब्ठ की गिरफ्त में

अमीर हुसैन, क्राइम ब्यूरो चीफ

30—09—2026 को, मोइनाबाद नगर पालिका की टाउन प्लानिंग ऑफिसर (।ब्—1) श्रीमती गुंडू वाणी को ।ब्ठ अधिकारियों (सिटी रेंज—2) ने तब पकड़ा, जब वह शिकायतकर्ता से 75,000 रुपये की रिश्वत मांग रही थीं और ले रही थीं। यह रिश्वत मो. इनाबाद ळच् के पूर्व पंचायत सचिव और वर्तमान में मोइनाबाद नगर पालिका में सीनियर असिस्टेंट के तौर पर डेपुटेशन पर काम कर रहे येलामनी सुदर्शन (।ब्—2) के जरिए ली जा रही थी। रिश्वत का मकसद शिकायतकर्ता के निर्माण कार्य के खिलाफ कोई सख्त कार्रवाई न करना (यानी उसे अवैध न मानना) था।।ब्—2 के पास से 75,000 रुपये की रिश्वत की रकम बरामद की गई। इस तरह,

आरोपी अधिकारियों (।ब्—1 और ।ब्—2) ने गलत फायदा उठाने के लिए अपनी ड्यूटी ठीक से और ईमानदारी से नहीं निभाई।इसलिए, ।ब्—1 और ।ब्—2 को न्यायिक रिमांड के लिए नामपल्ली में ैच् और ।ब्ठ मामलों के माननीय ग अतिरिक्त विशेष न्यायाधीश के सामने पेश किया जा रहा है। मामले की जांच चल रही है। सुरक्षा कारणों से शिकायतकर्ता की जानकारी गुप्त रखी गई है।सेल फोन नंबर – 1064 (टोल—फ्री नंबर):अगर कोई सरकारी कर्मचारी रिश्वत मांगता है, तो जनता से अनुरोध है कि वे कानून के अनुसार कार्रवाई के लिए ।ब्ठ के टोल—फ्री नंबर 1064 पर संपर्क करें। ।ब्ठ तेलंगाना से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे ॅींजे।चच (9440446106), थ्बमइववा (ज्मसंदहंदं ।ब्ठ), और ग्ध्यहले ज्ूपजजमत (ध्ज्मसंदहंदं ।ब्ठ) के जरिए भी संपर्क किया जा सकता है। ।ब्ठ तेलंगाना से संपर्क करने के लिए सभी सरकारी कार्यालयों और प्रमुख सार्वजनिक स्थानों पर ।ब्ठ का फ्ट कोड लगाया गया है। पीड़ितधशिकायतकर्ता का नाम और जानकारी गुप्त रखी जाएगी।ध्ध्ध् भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, तेलंगाना, हैदराबाद।

साइबर ठगी के शिकार पीड़ितों पर दोहरी मार! शिकायत के लिए रिश्वत का दबाव, पुलिस और बैंकिंग संस्थानों से सही सहयोग की कमी

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केंद्र और राज्य सरकार की एजेंसियों और बैंकिंग संस्थानों से साइबर क्राइम से लड़ने के लिए मिलकर काम करने को कहा था. उनके इस बात को कहने के महीनों बाद गुरुवार को 'साइबर काइमकृविक्टिम पर्सपेक्टिव्स एंड सिस्टेमिक रिस्पॉन्सेस' पर भारत में पुलिस व्यवस्था की स्थिति पर रिपोर्ट (ैप्च्) 2026 से पता चला कि पुलिस और बैंकिंग संस्थानों से सही सहयोग की कमी ने स्थिति को और बिगाड़ कर रख दिया है.कॉमन कॉज और लोकनीति—सीएसडीएस की मिलकर की गई रिपोर्ट में कहा गया है कि साइबर क्राइम के मामलों में आमतौर पर एफआईआर दर्ज नहीं की जाती हैं. नई दिल्ली में जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि जिन 15 पीड़ितों ने पुलिस से ऑनलाइन या खुद जाकर शिकायत की थी उनमें से छह मामलों में एफआईआर दर्ज की गई. इनमें से दो ऑटोमैटिक एफआईआर थीं. वहीं कम से कम दो अन्य मामलों में, पीड़ितों ने एफआईआर दर्ज करवाने के लिए प्रभावशाली लोगों से संपर्क किया.

ब्लइमतबतपउम अपबजपउ ेजतनहहसम जव हमज

चवसपबम, इंदा `नचचवतजः थ्पदकपदह ैप्च् 2026 भारत में पुलिस व्यवस्था की स्थिति पर रिपोर्ट (ैप्च्) 2026 (ैप्च् ठीतंज)कॉमन कॉज के डायरेक्टर विपुल मुदगल ने कहा कि इस अध्ययन का मकसद साइबर क्राइम के बारे में लोगों की सोच और अनुभव और उनसे निपटने के लिए सिस्टम की तैयारी को समझनाहै.यह अध्ययन 16 भारतीय राज्यों में 8,306 से ज्यादा लोगों के सर्वेक्षण पर आधारित है. इसका मकसद भारत में साइबर क्राइम के तेजी से बदलते प्रकृति और उनसे निपटने के लिए बने सिस्टम की जांच करना है. रिपोर्ट के मुता. बिक, वित्तीय साइबर अपराध के पीड़ितों और जानकारों ने ज्यादात यह महसूस किया कि बैंकों ने जिम्मेदारी लेने या रिकवरी प्रक्रिया में पीड़ित की मदद करने से मना कर दिया. एक मामले को छोड़कर वित्तीय धोखाधड़ी (फाइनेंशियल फ्रॉड) के पीड़ितों के साथ बाकी सभी इंटरव्यू में बैंकों ने कहा कि पीड़ितों ने फ्रॉड करने वाले के साथ 'सहयोग' किया.पुलिस और बैंकिंग संस्थानों से सही सहयोग की कमी एक बड़ी चुनौती बनी हुई है.

साइबर क्राइम के मामलों से निपटने में पुलिस को दी गई औसत रेटिंग पांच में से 2.4 थी.

बैंकिंग संस्थानों की ओवरऑल रेटिंग पांच में से एक थी.

लोगों ने पुलिस को रिश्वत देकर अपनी शिकायत दर्ज करवाई.

पीड़ितों ने अपने पर्सनल नेटवर्क से संपर्क किया ताकि पुलिस मामले को ठीक से देख सके

पुलिस के साथ अपने अनुभव का मूल्यांकन करने वाले दस जवाब देने वालों में से पुलिस को दी गई औसत रेटिंग पांच में से 2.4 थी. बैंकों के साथ

वर्ष 2022 से चुनाव जीतने के बाद 111 सांसदों, विधायकों ने बदली पार्टियां : एडीआर

इस दौरान हुए चुनावों और उपचुनावों के विश्लेषण से पता चला कि 26 लोकसभा सदस्यों, सात राज्यसभा सदस्यों और 78 विधायकों ने अपनी पार्टियां बदल लीं.एडीआर ने कहा कि इन मामलों में नेताओं का दल बदलना, पार्टियों का विलय, इस्तीफे के बाद उपचुनाव में जीत और अयोग्य ठहराए जाने के बाद उपचुनाव में सीट जीतना शामिल था.एडीआर के विश्लेषण में नगालैंड में सबसे अधिक 32 मामले सामने आए, और ये सभी मामले विधायकों से जुड़े थे. इनमें से अधिकतर मामले सत्तारूढ़ नेशनलिस्ट डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी (एनडीपीपी) और नगा पीपल्स फ्रंट (एनपीएफ) के बीच हुए गठजोड़ से जुड़े थे. एनपीएफ सबसे ज्यादा विधायकों को अपनी पार्टी में शामिल करने वाली पार्टी के तौर पर उभरी.कुल मिलाकर, एनडीपीपी के टिकट पर चुनाव जीतने वाले 25 विधायक उन जनप्रतिनिधियों में शामिल थे, जिन्होंने बाद में अपनी पार्टी बदल ली. वहीं, 32 जनप्रतिनिधि एनपीएफ में शामिल हुए.विश्लेषण के अनुसार, पश्चिम बंगाल में ऐसे 20 मामले सामने आए, और ये सभी लोकसभा सदस्यों से जुड़े थे. इन सभी 20 सांसदों ने मूल रूप से ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस के टिकट पर चुनाव जीता था और बाद में नेशनलिस्ट सिटिजंस पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआइ) में शामिल हो गए.इन सांसदों ने एनसीपीआइ में विलय का दावा किया है और यह मामला लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के समक्ष विचाराधीन है.तेलंगाना में ऐसे नौ मामले आए और ये सभी विधायकों से जुड़े थे. ये नौ विधायक भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के टिकट पर निर्वाचित हुए थे, जबकि राज्य में कांग्रेस विधायकों को अपने पाले में शामिल करने वाली प्रमुख पार्टी रही.गोवा में ऐसे आठ मामले सामने आए, जिनमें कांग्रेस के विधायक भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए. वहीं, पंजाब में भी आठ ऐसे मामले आए, जिनमें राज्यसभा के छह सदस्य और दो विधायक शामिल थे.महाराष्ट्र में ऐसे छह मामले सामने आए और ये सभी लोकसभा सदस्यों से जुड़े थे. इन सांसदों ने शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के टिकट पर चुनाव जीता था और बाद में एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल हो गए.

मेघालयमें विधायकों से जुड़े छह मामले और मणिपुर में पांच मामले सामने जबकि अरुणाचल प्रदेश और गुजरात में चार—चार मामले आए.

हिमाचल प्रदेश और राजस्थान में दो—दो मामले सामने आए, जबकि कर्नाटक, मध्यप्रदेश, सिक्किम और उत्तर प्रदेश में एक—एक मामला आया. दिल्ली में राज्यसभा के एक सदस्य ने पार्टी बदली.

पार्टी के स्तर पर, एनडीपीपी से सबसे अधिक 25 जनप्रतिनिधि अलग हुए। इसके बाद तृणमूल कांग्रेस से 20 और कांग्रेस से 19 जनप्रतिनिधियों ने पार्टी बदली. बीआरएस के नौ, आम आदमी पार्टी और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के सात—सात, शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के छह, जनता दल (यूनाइटेड) के पांच और एनपीपी के चार जनप्रतिनिधि पार्टी बदलने वालों में शामिल थे.

एनडीपीपी, तृणमूल कांग्रेस और कांग्रेस से जुड़े मामलों की संख्या कुल 111 में से 64 रही, जो 58 प्रतिशत है.एडीआर ने कहा कि हाल में हुए दल—बदल कुछ राज्यों की विधानसभाओं में सरकारों के गिरने से भी जुड़े रहे हैं. उसने यह भी स्पष्ट किया कि यह पड़ताल व्यापक नहीं हो सकती, क्योंकि दल बदलने वाले विधायकों का कोई व्यवस्थित और आसानी से उपलब्ध होने वाला सरकारी डेटाबेस मौजूद नहीं है.

वन विभाग ने बताया कि बाघ का शावक शायद बीमार है. वह पिछले कई दिनों से गांव के आस पास घूम रहा था.

मयूरभंज: ओडिशा के मयूरभंज जिले में एक बाघ के शावक को गांव के आस—पास देखा गया. यह शावक गांव के एक घर में घुस गया. गांव वालों ने उसे अंदर जाते देख घर का दरवाजा तुरंत बंद कर दिया और इसकी सूचना करंजिया वन विभाग को दी.

सूचना मिलने पर करंजिया वन विभाग के अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर बाघ के बच्चे को बचाया और उसे सुरक्षित जगह पर ले गए. विभाग के अधिकारियों ने बताया कि जिस जंगली जानवर के शावक को लोगों ने घर के अंदर बंद करके रखा था वह असल में रॉयल बंगाल टाइगर हैं.पथ्ा ज्पहमत ब्नइ त्मेबनमक ।जिमत ठमपदह स्वबामक प्देपकम टपससंहम भ्वनेम पद डंलनतइींदरवरॉयल बंगाल टाइगर का शावक दिखा (ैव्ट ठींतंज)

वन विभाग को शक है कि बाघ का शावक मयूरभंज जिले के करंजिया वन विभाग के ठाकुरमुंडा रेंज के खापरखाई गांव में बीमारी की वजह से तीन दिनों से घूम रहा है. इस बारे में करंजिया वन विभाग के अधिकारी अजय कुमार साहू ने कहा कि कल एक बाघ का शावक एक व्यक्ति के घर में घुस गया था. घर में एक खतरनाक जंगली जानवर के शावक को देख लोगों ने तुरंत घर का दरवाजा बंद कर दिया. जिससे शावक घर के अंदर कैद हो गया.उन्होंने कहा कि काफी कोशिशों के बाद शावक को आखिरकार बचा लिया गया. खुशकिस्मती से इस शावक ने किसी इंसान को नुकसान नहीं पहुंचाया. उन्होंने बताया कि यह एक रॉयल बंगाल टाइगर है. शक है कि यह बीमारी की वजह से गांव में घूम रहा है. ऐसे में रॉयल बंगाल टाइगर के इस शावक के इलाज के लिद कर दिया. जिससे शावक घर के अंदर कैद हो गया.उन्होंने कहा कि काफी कोशिशो के बाद शावक को आखिरकार बचा लिया गया. खुशकिस्मती द कर दिया. जिससे शावक घर के अंदर कैद हो गया.उन्होंने कहा कि काफी कोशिशो के बाद शावक को आखिरकार बचा लिया गया. खुशकिस्मती से इस शावक ने किसी इंसान को नुकसान नहीं पहुंचाया. उन्होंने बताया िबारीपदा से एक वेटनरी डॉक्टर मौके पर पहुंचे हैं.रेस्क्यू के बाद बाघ को अब कंदमुंडी बीट इलाके में लाया गया है. बाद में एक सीनियर वन विभाग के अधिकारी के कहने पर शावक को सिमिलिपाल अभयारण्य (सिमिलिपाल राष्ट्रीय उद्यान और टाइगर रिजर्व) के घने जंगलों में छोड़ दिया जाएगा. इस बात की जानक.

श्वेता विजन
सच देखे | सही दिखाए

सोहराबुद्दीन एनकाउंटर केस में 92 गवाहों के मुकरने पर सुप्रीम कोर्ट ने जताई चिंता, अमित शाह पर दिया यह निर्देश

नई दिल्ली: सोहराबुद्दीन शेख कथित फर्जी मुठभेड़ मामले में सुप्रीम कोर्ट ने 92 गवाहों के पलटने पर गहरी चिंता जताते हुए इसे "थोक के भाव गवाहों का मुकर जाना" करार दिया है. बॉम्बे हाई कोर्ट द्वारा 21 पुलिसकर्मियों समेत 22 आरोपियों को बरी किए जाने के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने इस फैसले की समीक्षा करने पर सहमति जताई है. हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने यह पूरी तरह साफ कर दिया है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को इस मामले से बरी किए जाने के अंतिम फैसले को दोबारा नहीं खोला जाएगा.

सर्वोच्च अदालत ने यह टिप्पणियां तब कीं, जब वह बॉम्बे हाई कोर्ट के उस आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर विचार करने के लिए सहमत हो गई, जिसमें 2005 के कथित फर्जी मुठभेड़ मामले में 22 आरोपियों को बरी कर दिया गया था. बरी किए गए आरोपियों में 21 पुलिसकर्मी भी शामिल हैं. यह पूरा मामला गैंगस्टर सोहराबुद्दीन शेख, उनकी पत्नी कौसर बी और उनके सहयोगी तुलसी राम प्रजापति की कथित हत्याओं और फर्जी मुठभेड़ से जुड़ा है.इस मामले की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की पीठ ने की. पीठ ने सोहराबुद्दीन शेख के भाई नयाबुद्दीन शेख द्वारा दायर याचिका पर जवाब मांगा है, जिसमें बॉम्बे हाई कोर्ट के 7 मई के फैसले को चुनौती दी गई है जिसने आरोपियों को बरी करने के फैसले को बरकरार रखा था. पीठ के समक्ष वरिष्ठ वकील डी. एस. नायडू ने याचिकाकर्ता का पक्ष रखा.

पीठ ने संकेत दिया कि वह आरोपियों को बरी किए जाने से जुड़े कुछ चुनिंदा गवाहों के बयानों की जांच करेगी और कहा, "हम इस बरी किए जाने के फैसले की समीक्षा करेंगे.'

सुनवाई के दौरान वकील नायडू ने कहा कि उनका मुवक्किल 2010 से इस मामले की पैरवी कर रहा है और उन्हीं की मांग पर जांच ट्रांसफर की गई थी. नायडू ने कहा कि ऐसे फॉरेंसिक सबूत मौजूद हैं जो सच्चाई बयां कर सकते हैं, गोलियों के निशान और कारतूस मिले थे, और उनकी भाभी (कौसर बी) का तो पता तक नहीं लगाया जा सका. नायडू ने कहा, "कुछ गवाह भले ही मुकर गए हों, लेकिन वे सच्चाई को दबा नहीं सकते..."

इस पर जस्टिस बागची ने कहा कि अगर किसी मुकदमे में 92 गवाह मुकर जाएं तो यह चिंता का विषय है. उन्होंने मौखिक रूप से जोड़ते हुए कहा, "यह तो थोक के भाव गवाहों का मुकर जाना है. .पीठ ने बरी किए जाने के फैसले की समीक्षा करने पर सहमति जताते हुए नायडू से कहा, "हम उन कुछ गवाहों के बयान देखना चाहेंगे जिन पर आप भरोसा कर रहे हैं... बरी किए जाने वाले हिस्से को लेकर आपको जो भी ठीक लगे, ऐसे तीन या चार बयान हमें सौंपें." इस दौरान जस्टिस बागची ने टिप्पणी की, "जिन लोगों पर मुकदमा चलाया गया था, क्या उनका मुकदमा निष्पक्ष और न्यायसंगत तरीके से हुआ था, यह एक महत्वपूर्ण विचारणीय बिंदु है."यह याचिका बॉम्बे हाई कोर्ट के 7 मई के उस आदेश को चुनौती देती है, जिसने मुंबई की एक विशेष सीबीआई अदालत के दिसंबर 2018 के फैसले के खिलाफ रुबाबुद्दीन और नयाबुद्दीन शेख द्वारा दायर अपीलों को खारिज कर दिया था. सीबीआई अदालत ने सभी 22 आरोपियों को बरी कर दिया था. बरी किए गए इन 22 आरोपियों में से 21 गुजरात और राजस्थान के पुलिस अधिकारी थे.बाकी बचा एक आरोपी गुजरात के एक फार्महाउस का मालिक था, जहां अभियोजन पक्ष के अनुसार, सोहराबुद्दीन और कौसर बी को अवैध रूप से बंधक बनाकर रखा गया था. अभियोजन पक्ष का दावा था कि सोहराबुद्दीन, उनकी पत्नी और प्रजापति 22–23 नवंबर 2005 की रात को बस से हैदराबाद से महाराष्ट्र के सांगली जा रहे थे, तभी एक पुलिस टीम ने कथित तौर पर उन्हें हिरासत में ले लिया. इसके बाद इस दंपती और प्रजापति को कथित तौर पर अलग–अलग गाड़ियों में ले जाया गया था.सीबीआई के अनुसार, 26 नवंबर 2005 को अहमदाबाद के पास गुजरात और राजस्थान पुलिस के जवानों द्वारा की गई एक मुठभेड़ में सोहराबुद्दीन मारा गया था. आरोप है कि इसके तीन दिन बाद कौसर बी की भी हत्या कर दी गई थी. प्रजापति, जो उदयपुर सेंट्रल जेल में बंद था और इस कथित एनकाउंटर का मुख्य गवाह माना जाता था, 27 दिसंबर 2006 को गुजरात–राजस्थान सीमा के पास एक पुलिस मुठभेड़ में मारा गया था.पीठ ने यह बिल्कुल साफ कर दिया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को इस

ECI तीन महीने में फैसला करेः ममता बनर्जी की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट का निर्देश

नई दिल्लीः सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को चुनाव आयोग को ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस के दो विरोधी गुटों के बीच पार्टी के नाम और चुनाव चिन्ह को लेकर चल रहे विवाद पर फैसला करने का निर्देश दिया.इस मामले की सुनवाई चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहना की पीठ ने की. ममता बनर्जी की तरफ से वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल और कल्याण बनर्जी और चुनाव आयोग की तरफ से वरिष्ठ वकील डी एस नायडू अदालत में पेश हुए.पीठ ने दोनों गुटों से चार सप्ताह के भीतर चुनाव आयोग के समक्ष अपनी दलीलें पूरी करने को कहा. पीठ ने चुनाव आयोग को निर्देश दिया कि दोनों पार्टियों की दलीलें पूरी होने के बाद तीन महीने के भीतर इस मुद्दे पर फैसला किया जाए.सुनवाई के दौरान, कल्याण बनर्जी ने इस बात पर जोर दिया कि किसी को भी दलीलों (चसमंकपदहे) से बाहर नहीं जाना चाहिए. इसपर पीठ ने कहा कि अगर वे दलीलों से बाहर जाते हैं, तो चुनाव आयोग इसकी जांच कर सकता है और यह तर्क आयोग के समक्ष उठाया जाना चाहिए. नायडू ने चुनाव चिन्ह विवाद के मामलों में एक टाइमलाइन दर्शाने वाला चार्ट सौंपा.बनर्जी ने तर्क दिया कि ᐃ ने उनके दावे के साथ एक नोटिस भेजा था और जवाब मांगा था, जो उन्होंने दे दिया. उन्होंने आगे कहा कि दूसरे पक्ष से भी जवाब मांगा गया था, लेकिन उन्होंने अपना जवाब दाखिल नहीं किया हैय यही दलीलें हैं. नायडू ने कहा, "ᐃ ऐसा पहली बार नहीं कर रहा है..."पीठ को बताया गया कि चुनाव चिन्ह के

विवादों में समय लगना तय है क्योंकि पार्टी कार्यकर्ताओं के हलफनामों की संख्या लाखों में होगी. हालांकि, पीठ इस मामले पर तीन महीने के भीतर फैसला कर सकती है, यह बताते हुए कि मामले को चुनाव आयोग के पास पहुंचे पहले ही तीन महीने बीत चुके हैं.पीठ ने चुनाव आयोग को मामले पर तीन महीने के भीतर फैसला करने का निर्देश देते हुए, प्रतिद्वंद्वी प्रतिवादियों और याचिकाकर्ता को अतिरिक्त दस्तावेज या शपथ पत्र या जवाबी शपथ पत्र दाखिल करने के लिए चार सप्ताह का समय दिया.पीठ ने यह आदेश तृणमूल कांग्रेस की नेता और पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की याचिका पर सुनवाई करते हुए पारित किया, जिसमें उन्होंने प्रतिद्वंद्वी पार्टी गुटों के बीच विवाद के बीच अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस के नाम और उसके आरक्षित चुनाव चिन्ह पर रोक लगाने के चुनाव आयोग के फैसले को चुनौती दी थी.24 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से कहा कि वह पार्टी के नाम और 'फूल और घास' चुनाव चिन्ह को लेकर ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस के दो विरोधी गुटों के बीच चल रहे विवाद पर अंतिम फैसला करने के लिए एक स्पष्ट समय सीमा बताए.इससे पहले, चुनाव आयोग ने एक दिन पहले अपने अंतरिम फैसले के बाद दोनों विरोधी गुटों को अलग–अलग नाम और चुनाव चिन्ह दिए थे, जिसमें विवाद का अंतिम फैसला होने तक दोनों गुटों को 'ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस' नाम और उसके आरक्षित चुनाव चिन्ह का इस्तेमाल करने से रोक दिया गया था.ममता बनर्जी और अरूप रॉय के नेतृत्व वाले दोनों गुटों के नेताओं को सुनने के बाद, चुनाव आयोग ने अपने अंतरिम आदेश में कहा कि इस मामले में चुनाव चिन्ह (आरक्षण और आवंटन) आद. `श, 1968 के प्रावधानों के तहत चुनाव आयोग द्वारा ठोस निर्णय लिया जाना जरूरी है.सुप्रीम कोर्ट में दायर अपनी याचिका में ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग और पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता ऋतब्रत बनर्जी को प्रतिवादी बनाया है.

बीजेपी के नए प्रदेश प्रभारी राम माधव का दो दिवसीय उत्तराखंड दौरा, सह–प्रभारी भी होंगे साथ, 2027 के चुनाव पर होगा मंथन

देहरादून: उत्तराखंड बीजेपी में एक बार फिर से सियासी हलचल तेज होने वाली है. क्योंकि उत्तराखंड बीजेपी के प्रदेश प्रभारी राम माधव और सह प्रभारी बांसुरी स्वराज व अरविंद मेनन दो दिवसीय दौरे पर उत्तराखंड आ रहे हैं.

उत्तरांड बीजेपी के लिए अगले कुछ दिन खास रहने वाले हैं. उत्तराखंड बीजेपी के नवनियुक्त प्रदेश प्रभारी राम माधव, सह प्रभारी बांसुरी स्वराज और अरविंद मेनन दो दिवसीय दौरे दो और तीन अक्टूबर को उत्तराखंड आ रहे हैं. नई जिम्मेदारी मिलने के बाद तीनों नेताओं का यह पहला उत्तराखंड दौरा हैं.पार्टी पदाधिकारियों के साथ करेंगे बैठकः उत्तराखंड बीजेपी के प्रदेश प्रभारी राम माधव और दोनों सह प्रभारी प्रदेश से लेकर जिला स्तर तक पार्टी के कामकाज, प्रचार–प्रसार और आने वाले कार्यक्रमों को लेकर संगठन के पदाधिकारियों से सीधे बातचीत करेंगे. इस बारे में ज्यादा जानकारी देते हुए उत्तराखंड बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने कहा कि प्रदेश प्रभारी राम माधव की सभी प्रमुख पदाधिकारियों के साथ बैठक रखी गई है. पहले दिन इस बैठक में प्रदेश में पार्टी की मौजूदा गतिविधियों के साथ ही आने वाले कार्यक्रमों को लेकर चर्चा की जाएगी.

भाजपा के पांच प्रकोष्ठों के साथ बैठक होगीः बैठक के दूसरा दिन संगठन के लिहाज से काफी अहम रहेगा. इस दिन भाजपा के पांच प्रकोष्ठों के साथ बैठक होगी. इसके अलावा पार्टी के सभी जिलाध्यक्षों और जिला संयोजकों को भी बैठक में शामिल किया जाएगा. इस बैठक में मुख्य फोकस पार्टी के प्रचार–प्रसार पर रहेगा. प्रदेश स्तर से तैयार होने वाले कार्यक्रमों और पार्टी की गतिविधियों को जिला और मंडल स्तर तक किस तरह पहुंचाया जाए, इसको लेकर चर्चा होगी

इसके साथ ही जिलों में पार्टी के प्रचार–प्रसार को लेकर चल रही गतिविधियों की जानकारी भी ली जाएगी. जिला अध्यक्षों और संयोजकों के साथ बातचीत में स्थानीय स्तर पर पार्टी के कार्यक्रमों को लेकर भी फीडबैक लिया जाएगा.

भाजपा के नए प्रदेश प्रभारी और सह प्रभारी के लिए यह दौरा संगठन को करीब से समझने का पहला मौका भी होगा.

बता दें कि उत्तराखंड में अगले साल 2027 में विधानसभा चुनाव होने है, जिसके लिए ज्यादा वक्त

'राहुल गांधी में समझ और ज्ञान की कमी, असलियत को समझ नहीं पाते', ज्ञानेश कुमार SIR के मुद्दे पर BJP का पलटवार

भारतीय जनता पार्टी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और ᐃ के मुद्दे पर राहुल गांधी की प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद पलटवार किया है। बीजेपी सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि किसी जमाने में एंटी–इनकम्बेंसी कांग्रेस पर भी बेअसर थी। बीजेपी नेता ने कहा कि राहुल गांधी में समझ और ज्ञान की कमी है। वे असलियत को समझ नहीं पाते हैं। उनका विवेक शून्य है। राहुल गांधी अपने दम पर एक भी सीट नहीं जीत सकते हैं।

देश में एंटी–इनकम्बेंसी एक स्थापित सच

प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए बीजेपी नेता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा, 'राहुल गांधी ने कहा कि इस देश में एंटी–इनकम्बेंसी (मौजूदा सरकार के खिलाफ नारा. जगी) एक स्थापित सच है और यह बात बीजेपी के सत्ता में आने के बाद से ही देखी जा रही है। कांग्रेस के खिलाफ एंटी–इनकम्बेंसी निश्चित रूप से बहुत लगातार और मजबूत रही है। राहुल गांधी को भारतीय राजनी. ति की समझ नहीं है।'बीजेपी ने कांग्रेस को याद दिलाया एंटी–इनकम्बेंसी का इतिहासबीजेपी नेता सुधांशु त्रिवेदी ने आगे कहा, '1967 के बाद से कांग्रेस तमिलनाडु में कभी सत्ता में नहीं लौटी, जबकि उस समय भारतीय जनता पार्टी का अस्तित्व भी नहीं था। 1977 के बाद से कांग्रेस बंगाल में सत्ता में नहीं लौटी। वहां 1977 से 2011 तक 34 साल कम्युनिस्टों का शासन रहा, फिर भी राहुल गांधी न तो इसे समझते हैं और न ही देखते हैं। और फिर भी वे एंटी–इनकम्बेंसी का मुद्दा उठाते हैं। एक दौर ऐसा भी था जब कांग्रेस लंबे समय तक सत्ता में रही। वोटर आईडी कार्ड से पहले का दौर, जिसमें बूथ कैप्चरिंग, बैलेट बॉक्स लूटना और गोलीबारी जैसी घटनाएं होती थीं। उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे राज्यों में शायद ही कोई चुनाव ऐसा होता था जिसमें लोग मारे या घायल न हों। उस समय, कांग्रेस के खिलाफ एंटी–इनकंबेंसी काम नहीं करती थी।'

कांग्रेस पार्टी लगातार 100 सालों से सत्ता में रही– ᐃ

बीजेपी नेता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा, 'मैं साफ तौर पर कहना चाहता हूं कि सत्ता–विरोधी भावना असल में कांग्रेस पार्टी के अंदर है, खासकर गांधी परिवार में। कांग्रेस पार्टी लगातार सौ सालों से सत्ता में रही है। लेकिन आज, सत्ता–विरोधी भावना इतनी मजबूत हो गई है कि वे किसी सहयोगी के सहारे के बिना एक भी सीट नहीं जीत सकते। पिछले 25 सालों से कांग्रेस पार्टी रायबरेली और अमेठी में सिर्फ समाजवादी पार्टी के समर्थन से ही जीतती आ रही है। वरना, न तो सोनिया गांधी और न ही राहुल गांधी में इतनी काबिलियत है कि वे समाजवादी पार्टी के समर्थन के बिना अपने परिवार के गढ़ों को अपने दम पर जीत सकें। इसी तरह, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वायनाड में जीते, लेकिन वे मुस्लिम लीग के समर्थन से जीते, एक ऐसी सीट पर जहां मुस्लिम आबादी 60 से 65 प्रतिशत है। उनमें मुस्लिम लीग के समर्थन के बिना सीट जीतने की काबि. लियत और राजनीतिक हैसियत नहीं है। इसलिए, मेरा मानना घ्है कि राहुल गांधी के अनुभव की कमी के बारे में जो आकलन किया गया है, वह बिल्कुल सही है। राजनीतिक रूप से, उन्हें लगभग कोई जानकारी नहीं है, बल्कि उनमें भारतीय राजनीति की बुनियादी समझ की भी कमी है।'प्रेस की आजादी का करता हूं सम्मान– सुधांशु त्रिवेदी

बीजेपी नेता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा, 'किसी भी खबर के मामले में और मैं यह बात प्रेस की आजादी का सम्मान करते हुए कह रहा हूं – संबंधित व्यक्ति से हमेशा सवाल पूछे जाते हैं और उनका बयान लिया जाता है। क्या उस बयान को कोट किया जाता है? नहीं। क्या आपके पास ऐसी एक भी रिपोर्ट है जिससे पता चले कि फैसला सर्वसम्मति से नहीं हुआ था? नहीं। क्या कोई ऐसी प्रेस कॉन्फ्रेंस हुई है जिसमें तीनों कमिश्नर मौजूद न हों? नहीं। तो फिर इस दावे का आधार क्या है?'

शिमला में कार और रोडवेज बस की जोरदार टक्कर, माता–पिता और दादी की मौतय परिवार में पसरा मातम

शिमला। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला के घणाहट्टी क्षेत्र में गुरुवार को दर्दनाक सड़क हादसे ने एक परिवार को जिंदगी भर का गम दे दिया। घंडल–सोलह मील के पास कार की भ्ऌ बस से जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में कार सवार बेटे ने अपनी मां, पिता और दादी को खो दिया। तीनों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि युवक घायल बताया जा रहा है और उसे उपचार के लिए प्ळड़ अस्पताल पहुंचाया गया है.हादसे में युवक घायल,माता–पिता और दादी की मौतबताया जा रहा है कि परिवार सुबह इलाज के लिए प्ळड़ अस्पताल पहुंचा था। दवा लेने के बाद सभी कार में सवार होकर वापस घणागुघाट लौट रहे थे। इसी दौरान घंडल–सोलह मील के पास उनकी कार भ्ऌ बस की चपेट में आ गई। कार में दो महिलाएं और दो पुरुष सवार थे। हादसे में तीन लोगों की मौत हुई है, जबकि घायल युवक को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। मृतक और घायल फांजी गांव के रहने वाले बताए जा रहे हैं।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, हादसा ओवरस्पीड और पास लेने के दौरान हुआ। हालांकि हादसे में किसकी गलती थी, इसकी आधिकारिक पुष्टि पुलिस जांच के बाद ही हो सकेगी। एक ही हादसे में मे दो बहनों की मौतवहीं, शिमला के चोपाल सब–डिविजन के टेलर गांव में दो बहनें (उम्र 11 और 8 साल) अपने घर पर बेहोश मिलीं और इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। जितेंद्र चौहान की बेटियां 20 सितंबर को अपने कमरे में बेहोश मिलीं और उन्हें तुरंत रछूनी अस्पताल ले जाया गया। हालत गंभीर होने के कारण उन्हें रोहरू अस्पताल रेफर किया गया और बाद में इंदि. रा गांधी मेडिकल कॉलेज (प्ळडब्), शिमला भेज दिया गया। इलाज के दौरान लड़कियों की मौत हो गई और अधिकारियों ने पोस्टमार्टम के बाद उनके शव परिवार को सौंप दिए। नेरवा के नायब तहसीलदार कुश कुमार ने कहा कि शुरुआती जांच से मौत का कारण सांप का काटना लग रहा

दिल्ली के मंत्री प्रवेश वर्मा पर आपा खोने और युवक को थप्पड़ मारने का आरोप लगा है. घटना के बाद 'आप' ने कड़ी निंदा की..

नई दिल्ली: राजधानी दिल्ली के तिलक नगर इलाके में एक निर्माणाधीन सड़क के निरीक्षण के दौरान डिप्टी सीएम प्रवेश वर्मा और स्थानीय विधायक जरनैल सिंह के बीच विकास कार्यों की गुणवत्ता को लेकर तीखी नोकझोंक हुई. इस दौरान मौके पर मौजूद एक स्थानीय युवक को कथित तौर पर थप्पड़ मारे जाने का मामला सामने आया है. घटना के बाद से आम आदमी पार्टी (आप) हमलावर हो गई और पुलिस थाने में एफआईआर दर्ज कराने जा पहुंची.बता दें कि मंत्री प्रवेश वर्मा इलाके में एक निर्माणाधीन सड़क का निरीक्षण करने पहुंचे थे. मौके पर स्थानीय विधायक जरनैल सिंह भी वहां पहुंच गए. विधायक ने सड़क निर्माण कार्य की गुणवत्ता और मानकों पर सवाल खड़े करने शुरू कर दिए. विधायक और उनके साथ के लोगों ने हाथ से सड़क की परत उठाकर मंत्री को दिखाया. देखते ही देखते दोनों नेताओं और उनके समर्थकों के बीच तीखी बहस छिड़ गई. आरोप है कि जब एक युवक इस पूरी घटना और बहस का वीडियो रिकॉर्ड कर रहा था, तो मंत्री प्रवेश वर्मा ने अपना आपा खो दिया और कथित तौर पर उस युवक को थप्पड़ जड़ दिया. जो वीडियो में भी कैद हो गया

आप ने बोला तीखा हमला: आप के संयोजक ने अरविंद केजरीवाल इस घटना के बाद एक्स पर लिखा, "मंत्री को गिरफ्तार करो, मैं कल यहीं जाऊंगा". आप प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने घटना की कड़ी निंदा की है. 'एक्स' पर वीडियो शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, 'प्रवेश वर्मा का शर्मनाक व्यवहार. प्रवेश वर्मा ने कैमरामैन को थप्पड़ मारा. मंत्री ने गुस्से में आकर एक कैमरामैन को थप्पड़ मार दिया. पुलिस सुरक्षा में मौजूद बच्चे पर हाथ उठाकर आपने अपनी ही अभद्रता का परिचय दिया है.

विकासपुरी थाने में शिकायत दर्ज कराने पहुंची आप: घटना के बाद आम आदमी पार्टी के खेमे में भारी आक्रोश है. स्थानीय विधायक जरनैल सिंह के नेतृत्व में पार्टी के कई नेता और कार्यकर्ताओं ने विकासपुरी थाने का रुख किया. विधायक ने घोषणा की है कि वे मंत्री प्रवेश वर्मा के खिलाफ इस अभद्र और हिंसक आचरण के संबंध में औपचारिक शिकायत दर्ज कराएंगे और पुलिस से सख्त कार्रवाई की मांग करेंगे. फिलहाल, इस घटना के बाद से इलाके में राजनीतिक सरगर्मी काफी बढ़ गई है और दोनों दलों के बीच तीखा बयानबाजी का दौर जारी है. पुलिस इस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई के फुटेज और चश्मदीदों के बयानों की जांच कर रही है.

संजीव चतुर्वेदी की सुनवाई से एक और जज का किनारा, 17 पहुंचा रिक्यूजल का आंकड़ा

देहरादून: उत्तराखंड कैडर के आईएफएस अधिकारी संजीव चतुर्वेदी से जुड़े न्यायिक मामलों में सुनवाई से अलग होने वाले न्यायाधीशों और न्यायिक सदस्यों की संख्या अब 17 तक पहुंच गई है. ताजा मामला केंद्रीय प्रशास. निक अधिकरण (कैट) की दिल्ली पीठ से जुड़ा है. जहां न्यायमूर्ति राजवीर सिंह वर्मा ने चतुर्वेदी से संबंधित मामलों की सुनवाई से स्वयं को अलग कर लिया है. हालांकि आदेश में इसके पीछे की वजह का साफ नहीं किया गया है.मई 2025 के सुप्रीम कोर्ट के फैसले के संदर्भ में मामला: ताजा मामला उत्तराखंड सरकार की ओर से नवंबर 2021 में जारी उस आदेश को चुनौती देने से संबंधित है जो आईएफएस अधिकारियों की मूल्यांकन रिपोर्ट के चैनल से जुड़ा है इस मामले की सुनवाई मई 2025 में आए सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के संदर्भ में भी देखी जा रही है. न्यायमूर्ति राजवीर सिंह वर्मा के अलग होने के बाद एक बार फिर चतुर्वेदी से जुड़े मामलों में न्यायिक अधिकारियों के रिक्यूजल का सिलसिला चर्चा में है.

सुप्रीम कोर्ट से कैट तक कई न्यायिक अधिकारी अलग हो चुके हैं: संजीव चतुर्वेदी से जुड़े अलग अलग प्रकरणों की सुनवाई से अब तक सर्वोच्च न्यायालय के दो न्यायाधीश नैनीताल हाईकोर्ट के चार न्यायाधीश कैट के अध्यक्ष समेत नौ न्यायाधीश एवं सदस्य और जिला न्यायपालिका के दो न्यायिक अधिकारी स्वयं को अलग कर चुके हैं. खास बात यह है कि इन रिक्यूजल आदेशों में अधिकांश मामलों में अलग होने की वजह स्पष्ट रूप से दर्ज नहीं की गई है.नैनीताल हाईकोर्ट में भी हुआ रिक्यूजल: सितंबर और अक्टूबर 2025 में नैनीताल हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति आलोक वर्मा और न्यायमूर्ति रवींद्र मैठाणी ने संजीव चतुर्वेदी की ओर से दायर अवमानना मामले की सुनवाई से स्वयं को अलग कर लिया था. इससे पहले फरवरी 2024 में न्यायमूर्ति मनोज तिवारी ने चतुर्वेदी की केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से संबंधित मामले की सुनवाई से खुद को अलग किया था. मई 2023 में न्यायमूर्ति राकेश थपलियाल ने भी चतुर्वेदी की मूल्यांकन रिपोर्ट से जुड़े मामले की सुनवाई से स्वयं को अलग कर लिया था.सुप्रीम कोर्ट के दो न्यायाधीश भी सुनवाई से हट चुके हैं: संजीव चतुर्वेदी से जुड़े मामलों में रिक्यूजल का सिलसिला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा था. नवंबर 2013 में तत्कालीन न्यायमूर्ति रंजन गोगोई ने चतुर्वेदी की ओर से दायर एक मामले की सुनवाई से खुद को अलग किया. इसके बाद अगस्त 2016 में न्यायमूर्ति यूयू. ललित ने भी इसी मामले की सुनवाई से स्वयं को अलग किया. यह प्रकरण हरियाणा में चतुर्वेदी की ओर से उठाए गए कथित भ्रष्टाचार के मामलों की सीबीआई जांच की मांग से जुड़ा था.कैट में भी कई बार बदला सुनवाई का न्यायिक मंच: केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण में भी चतुर्वेदी से जुड़े मामलों में न्यायिक सदस्यों के रिक्यूजल के कई मामले सामने आए हैं. मार्च 2019 में तत्कालीन कैट अध्यक्ष न्यायमूर्ति एल. नरसिम्हा रेड्डी ने

नीट पेपर लीक विवाद के मद्देनजर एनटीए के नए कार्यालय में तैनात किए जाएंगे सीआईएसएफ कर्मी

नई दिल्ली : राष्ट्रीय पात्रता प्रवेश परीक्षा (नीट) प्रश्नपत्र लीक और प्रशासनिक खामियों को लेकर हुए बड़े विवाद के बाद राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (छ्ज।) के नए कार्यालय में कामकाज शुरू होने पर "गोपनीय क्षेत्रों" में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (ब्प्ैथ्) के कर्मी तैनात किए जाएंगे.

यह कदम इस साल की शुरुआत में मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट–स्नातक का प्रश्नपत्र लीक होने के बाद उठाया गया है. इस मामले को लेकर देशभर में छात्रों ने विरोध प्रदर्शन किए थे, जिसके बाद तत्कालीन केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस्तीफा दे दिया था.

प्रधान के इस्तीफे के एक दिन बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने परीक्षा सुधारों की सिफारिश करने के लिए इंफोसिस के सह–संस्थापक नंदन नीलेकणि की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय कार्यबल के गठन की घोषणा की थी. इस समिति ने अभी अपनी रिपोर्ट नहीं सौंपी है.प्रश्नपत्र लीक मामले में दायर केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (ब्ठप्) के आरोपपत्र में तीन विषय विशेषज्ञों को प्रश्नपत्र लीक का मुख्य सूत्रधार बताया गया है. आरोप पत्र में कहा गया है कि एनटीए के गोपनीय विभाग में प्रवेश या बाहर निकलने के दौरान विशेषज्ञों की कोई जांच या तलाशी नहीं होती थी.आरोप पत्र के अनुसार इससे विशेषज्ञों को छोटे कागज के टुकड़ों पर प्रश्नपत्रों के सवाल लिखकर ले जाने का मौका मिला. साल 2017 में निष्पक्ष, पारदर्शी और मानकीकृत परीक्षाएं कराने के लिए स्थापित एनटीए में अब तक ओखला स्थित इसके कार्यालय से कामकाज किया जा रहा था.एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, "मिंटो रोड स्थित भारत सरकार प्रेस भवन में 55 हजार वर्ग फुट से अधिक का एक समर्पित कार्यालय परिसर है. इस इमारत की पूरी पांचवीं मंजिल और चौथी तथा छठी मंजिल की कुछ जगह एनटीए को दी गई है. पिछले एक महीने में गोपनीय और संवे. दनशील कामकाज को नए भवन में स्थानांतरित कर दिया गया है."सीबीआई की रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि तीनों आरोपी विशेषज्ञों की हरकतों का इसलिए पता नहीं चल पाया क्योंकि राष्ट्रीय राजधानी में स्थित एनटीए कार्यालय में सीसीटीवी लाइव फीड की निगरानी के लिए कोई अलग नियंत्रण कक्ष नहीं था.नए परिसर में निगरानी की योजना के बारे में अधिकारी ने कहा, "भवन में गोप. नीय क्षेत्रों की पहचान की गई है, जहां आवाजाही और कामकाज पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी ताकि पूरी तरह सुरक्षित व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके. गृह मंत्रालय ने परिसर के लिए केंद्रीय ?

ममता के विधायक कुणाल घोष पर एक बार फिर जानलेवा हमला! लगातार दो दिन हमले के पीछे क्या है बड़ी साजिश?

कोलकाता: टीएमसी ममता गुट के विधायक कुणाल घोष की कार पर रविवार 27 सितंबर को फिर से हमला हुआ है. इस बार उनके अपने निर्वाचन क्षेत्र बेलेघाटा में यह घटना घटी. तृणमूल कांग्रेस के विधायक का आरोप है कि रविवार सुबह जब वे एक कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे, तभी 15–20 बाइक सवारों के एक गिरोह ने उनकी गाड़ी का पीछा किया, उनका रास्ता रोका और फूलबागान इलाके में हमला कर दिया.कुणाल घोष का दावा है कि कुछ हमलावरों के पास रिवॉल्वर थीं और उन्होंने कार के शीशे तोड़ने के लिए हथौड़ों का इस्तेमाल किया. उनके सुरक्षाकर्मियों ने स्थिति को संभाला. आखिरकार, विधायक किसी तरह गाड़ी को मोड़ने में सफल रहे. उन्होंने नारकेलडांगा थाने में जाकर शरण ली. बता दें कि शनिवार 26 सितंबर को भी जब वो ममता की सभा में भाग लेने जा रहे थे तभी उनकी गाड़ी पर हमला किया गया था.कुणाल का दावा है कि रविवार सुबह जब से वे अपने घर से निकले थे, तभी से कई मोटरसाइकिल सवार उनकी कार का पीछा कर रहे थे. वे बेलेघाटा के वार्ड नंबर 36 में एक कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे. फूलबागान के पास बाइ. कों ने अचानक उनकी कार को ओवरटेक किया और सड़क को जाम कर दिया. इसी के बाद गाड़ी में तोड़फोड़ करने की कोशिश शुरू हुई.थाने में कुणाल घोष ने आरोप लगाया कि उन पुलिस सूत्रों का कहना है कि आसपास के इलाके के सीसीटीवी (ब्ब्ज्ट) फुटेज की जांच की जा रही है और प्रत्यक्षदर्शियों (आईविटनेस) के बयान दर्ज किए जा रहे हैं.लगातार दो दिनों में दो अलग–अलग जगहों पर टीएमसी विधायक कुणाल घोष की गाड़ी पर हुए हमलों के आरोपों से राजनीतिक माहौल गरमा गया है. रविवार की घटना के बाद, तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने हमले की निंदा की और राज्यपाल से पर जानलेवा हमला करने की कोशिश की गई थी. उन्होंने दावा किया कि कुछ हमलावरों की पहचान कर ली गई है और उनके नाम पुलिस को सौंप दिए गए हैं. कुणाल ने इस घटना में बीजेपी का हाथ होने का आरोप लगाया है. कुणाल घोष ने शनिवार को हुई उत्तरपारा की घटना को लेकर भी बीजेपी पर उंगली उठाई थी.

कुणाल घोष के आरोपों का जवाब देते हुए बीजेपी प्रवक्ता देवजीत सरकार ने कहा कि यह घटना तृणमूल कांग्रेस की अंदरूनी गुटबाजी का नतीजा हो सकती है. उनके मुताबिक, हालांकि किसी भी जनप्रतिनिधि पर हमला करना गलत है और उसे सही नहीं ठहराया जा सकता, लेकिन इस मामले के लिए बीजेपी पर दोष मढ़ना भी बिल्कुल गलत है.कोलकाता पुलिस ने इस घटना की जांच शुरू कर दी है. पुलिस सूत्रों का कहना है कि आसपास के इलाके के सीसीटीवी (ब्ब्ज्ट) फुटेज की जांच की जा रही है और प्रत्यक्षदर्शियों (आईविटनेस) के बयान दर्ज किए जा रहे हैं.लगातार दो दिनों में दो अलग–अलग जगहों पर टीएमसी विधायक कुणाल घोष की गाड़ी पर हुए हमलों के आरोपों से राजनी. तिक माहौल गरमा गया है. रविवार की घटना के बाद, तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने हमले की निंदा की और राज्यपाल से हस्तक्षेप करने की मांग की. उन्होंने टिप्पणी की कि जब एक निर्वाचित जनप्रतिनिधि की सुरक्षा को लेकर ऐसी स्थिति पैदा होती है, तो यह आम जनता की सुरक्षा पर भी सवाल खड़े करता है.

बिहार में पैंगोलिन के शल्क की तस्करी, तीन को दबोचा गया, जानें क्या होता है इसका इस्तेमाल

रोहतास : बिहार के रोहतास जिले में वन विभाग ने वन्यजीवों के अंगों की अवैध तस्करी और बिक्री के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है. कैमूर पहाड़ी के जंगलों से प्रतिबंधित वन्यजीव पैंगोलिन के शल्क की तस्करी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए वन विभाग की टीम ने तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है. इनके पास से पैंगोलिन के शल्क बरामद किए गए हैं. यह कार्रवाई रोहतास वन प्रमंडल और वन्य अपराध नियंत्रण ब्यूरो (कोलक. ाता) की संयुक्त टीम ने ट्रैप बिछाकर दबोचा गयादरअसल वन्यजीवों के अंगों की तस्करी की सूचना मिलने के बाद टीम ने तस्करों को पकड़ने के लिए योजनाबद्ध तरीके से ट्रैप लगाया. इसी दौरान तस्करी के लिए पहुंचे तीन लोगों को दबोच लिया गया. गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सुनील सिंह (निवासी गोसाईपुर, नोखा), संजय कुमार (निवासी रामपुर, बक्सर जिला) और विमल पासवान (निवासी बेलाव, कैमूर जिला) के रूप में हुई है. वन विभाग का कहना है कि गिरफ्तार किए गए लोगों से पूछताछ कर वन्यजीव अंगों की तस्करी से जुड़े नेटवर्क और उनके संपर्कों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है.

ध्दहयसपद वसम उनहहसपदह

गिरफ्तार किए गए तीनों आरोपी (ग्ज्ट ढींतंज) "पैंगोलिन के शल्क का कोई वैज्ञानिक उपयोग नहीं है. इसके बावजूद अंधविश्वास और कथित जादू–टोने से जुड़ी मान्यताओं के कारण इसकी मांग की जाती है. इसी वजह से कुछ लोग पैंगोलिन समेत अन्य वन्यजीवा. के अंगों की अवैध खरीद–बिक्री और तस्करी में शामिल हो जाते हैं."– स्टालिन फिडल कुमार, डीएफओ, रोहतास वन प्रमंडल, सासाराम'पैंगोलिन के गों का व्यापार कानूनन प्रतिबंधित'वन विभाग का कहना है कि पैंगोलिन एक संरक्षित वन्यजीव है और उसके अंगों का

श्वेता विजन
सच देखो | सही दिखाए

डिमेंशिया की पहचान अक्सर देर से क्यों होती है? जानिए क्या कहते हैं डॉक्टर

अल्जाइमर रोग डिमेंशिया का सबसे आम प्रकार और कारण है. यह एक बायोलॉजिकल प्रक्रिया है जो दिमाग में अमाइलॉइड प्लाक और न्यूरोफिब्रिलरी टैंगल्स के रूप में प्रोटीन जमा होने से शुरू होती है. समय के साथ, इससे दिमाग की को. शिकाएं मरने लगती हैं और दिमाग सिकुड़ने लगता है. अनुमानों के अनुसार, 60 साल और उससे ज्यादा उम्र के 88 लाख भारतीय डिमेंशिया से पीड़ित हैं और अल्जाइमर रोग इसका सबसे आम कारण है. 60 साल से ज्यादा उम्र के लोगों में इस बीमारी का प्रसार लगभग 7.4 प्रतिशत है, और भारत की बुजुर्ग आबादी बढ़ने के साथ-साथ इसके मामलों की संख्या भी बढ़ रही है.ल्जाइमर रोग के शुरुआती लक्षणों में हाल की घटनाओं या बातचीत को भूल जाना शामिल है. समय के साथ, अल्जाइमर रोग से गंभीर रूप से याददाश्त कम हो जाती है और व्यक्ति की रोजमर्रा के काम करने की क्षमता पर असर पड़ता है. अल्जाइमर रोग का कोई इलाज नहीं है. एडवांस स्टेज में, दिमाग के काम करने में कमी से डिहाइड्रेशन, खराब न्यूट्रिशन या इन्फेक्शन हो सकता है. इन कॉम्प्लीकेशंस से मौत हो सकती है. लेकिन दवाएं लक्षणों में सुधार कर सकती हैं या सोचने की क्षमता में कमी को धीमा कर सकती हैं. प्रोग्राम और सर्विस इस बीमारी से पीड़ित लोगों और उनकी देखभाल करने वालों की मदद कर सकते हैं.

जागरूकता की कमी इस रोज का सबसे बड़ा कारण

डिमेंशिया एक ऐसी बीमारी है जो याददाश्त, सोचने-समझने की क्षमता, व्यवहार और रोजमर्रा के काम करने की काबिलियत पर असर डालती है. अक्सर इस बीमारी का पता तब चलता है जब इसके लक्षण काफी गंभीर हो जाते हैं. ऐसी देरी उन समुदायों में ज्यादा देखी जाती है जहां जागरूकता कम है और खास हेल्थकेयर सुविधाओं तक पहुंचना मुश्किल है.

इसका एक मुख्य कारण यह है कि शुरुआती लक्षणों को अक्सर बुढ़ापे का सामान्य हिस्सा मान लिया जाता है. हालांकि कभी-कभार किसी का नाम भूल जाना सामान्य हो सकता है, लेकिन हाल की बातचीत बार-बार भूलना, जानी-पहचानी जगहों पर

रास्ता भटक जाना, पैसों या दवाइयों के मामले में दिक्कत होना, या व्यवहार में साफ बदलाव दिखना जैसे लक्षणों को सिर्फ बुढ़ापे की निशानी मानकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिएजानकारी की कमी और सामा. जिक शर्म की वजह से भी इलाज में देरी हो सकती है. परिवारों को शर्मिंदगी महसूस हो सकती है. वे समाज की आलोचना से डर सकते हैं, या उन्हें लग सकता है कि डिमेंशिया बुढ़ापे का एक ऐसा हिस्सा है जिसे बदला नहीं जा सकता. नतीजतन, वे अक्सर तब तक इंतजार करते हैं जब तक लक्षण रोजमर्रा की जिंदगी में बड़ी रुकावट न डालने लगें.

देखभाल या इलाज पाना भी एक बड़ी चुनौती है. न्यूरोलॉजिस्ट, जेरियाट्रिशियन (बुजुर्गों के डॉक्टर), साइकियाट्रिस्ट और मेमोरी क्लीनिक जैसी विशेषज्ञ सेवाएं अक्सर बड़े शहरों में ही मिलती हैं. यात्रा की दूरी, खर्च, लंबा इंतजार और ट्रेंड हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स की कमी जैसी वजहों से बीमारी का पता लगाना मुश्किल हो सकता है.

हम क्या कर सकते हैं बीमारी का पता लगाना मुश्किल हो सकता है.

इसका समाधान जागरूकता से शुरू होता है. स्थानीय भाषा में चलाए जाने वाले कैंपेन, कम्युनिटी प्रोग्राम, प्राइम. री हेल्थकेयर सेंटर और सामाजिक संगठनों के जरिए लोगों को डिमेंशिया के शुरुआती लक्षणों के बारे में जानक. ारी दी जानी चाहिए.प्राइमरी केयर डॉक्टर और हेल्थकेयर वर्कर को दिमागी क्षमता में होने वाले शुरुआती बदलावों को पहचानने और जरूरत पड़ने पर मरीजों को आगे रेफर करने के लिए ट्रेनिंग दी जानी चाहिए. टेलीमेडिसिन और आउटरीच क्लीनिक छोटे कस्बों और ग्रामीण इलाकों में रहने वाले लोगों तक स्पेशलिस्ट की सलाह पहुंचाने में मदद कर सकते हैं.

परिवार भी इसमें अहम भूमिका निभाते हैं. अगर याददाश्त या व्यवहार में बदलाव लगातार बने रहते हैं और रोजमर्रा की जिंदगी में रुकावट डालते हैं, तो स्थिति के और बिगड़ने का इंतजार करने के बजाय तुरंत डॉक्टर से सलाह लेना बेहतर है.

सबसे जरूरी बात यह है कि डिमेंशिया के बारे में बिना किसी शर्म या हिचकिचाहट के खुलकर बात की जानी चाहिए. बीमारी का जल्दी पता चलने से इलाज योग्य कारणों की पहचान करने, सही देखभाल सुनिश्चित करने, देखभाल करने वालों को सपोर्ट देने और परिवारों को भविष्य की योजना बनाने में मदद मिल सकती है. डिमेंशिया का जल्दी पता लगाना सिर्फ मेडिकल जिम्मेदारी नहीं है, यह परिवार, समुदाय और हेल्थकेयर सिस्टम बीमारी का पता लगाना मुश्किल हो सकता है.

हम क्या कर सकते हैंकी सामूहिक जिम्मेदारी है.

क्या चेहरे पर आलू लगाने से दाग-धब्बे कम हो जाएंगे? अगर हां, तो जानिए इस्तेमाल करने का सही तरीका

आलू चेहरे के दाग-धब्बों को कम करने में मदद करता है. इसके अलावा, खाना बनाते समय हल्की जलन महिलाओं में आम है. जली हुई जगह या रैश पर आलू लगाने से जलन और सूजन कम करने में मदद मिलती है. इसके अलावा, जले हुए निशानों पर उबले हुए आलू मैश करने से वे हल्के हो सकते हैं. आलू खाने से महिलाओं में बढ़ती उम्र के निशान भी कम होते हैं. आसान शब्दों में कहें तो, आलू कम मात्रा में खाना सेहत के लिए फायदेमंद होता है, और इसमें मौजूद न्यूट्रिएंट्स हेल्दी एजिंग में मदद करते हैं.

आलू में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं जो स्किन को बचाते हैं. इनमें विटामिन ब्, ठ-कॉम्प्लेक्स विटामिन और पोटैशियम, मैग्नीशियम, फास्फोरस और जिंक जैसे मिनरल भी भरपूर होते हैं, ये सभी स्किन की सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं. आलू मुंहासा. और दाग-धब्बों के इलाज में भी असरदार होते हैं. स्किन केयर के लिए आलू का इस्तेमाल करने के कई आसान तरीके हैं, जो इस प्रकार है...

आलू से सुंदरता बढ़ाने के उपाय

दो उबले हुए आलू के गूदे में दो बड़े चम्मच दूध मिलाकर पेस्ट बना लें. इस पेस्ट को हल्का गर्म रहते हुए ही रुई की मदद से चेहरे पर लगाएं. इसे आधे घंटे तक सूखने दें और फिर गुनगुने पानी से धो लें. इससे चेहरा चमकदार बनता है.

एक गिलास पानी में कच्चे आलू का गूदा उबालें. जब पानी पूरी तरह सूख जाए, तो बचे हुए गूदे को हफ्ते में दो बार चेहरे पर लगाएं. इससे त्वचा के दाग-धब्बे दूर होते हैं.

1.5 चम्मच चीनी में 1 चम्मच कच्चे आलू का गूदा मिलाएं और चेहरे पर लगाएं. आधे घंटे बाद ठंडे पानी से चेहरा धो लें, इससे चेहे पर चमक आएगी.कच्चे आलू को मैश करें, उसमें एक चम्मच शहद मिलाएं और फेस पैक की तरह इस्तेमाल करें. आपको बेहतरीन नतीजे मिलेंगे.

आंखों के नीचे काले घेरे (डार्क सर्कल्स) को हटाने में आलू असरदार होता है. आलू को गोल टुकड़ों में

काटें और कुछ देर के लिए फ्रिज में रख दें. फिर, इन टुकड़ों को अपनी आंखक्या चेहरे पर आलू लगाने से दाग-धब्बे कम हो जाएंगे? अगर हां, तो जानिए इस्तेमाल करने का सही तरीकाआलू चेहरे के दाग-धब्बों को कम करने में मदद करता है. इसके अलावा, खाना बनाते समय हल्की जलन महिलाओं में आम है. जली हुई जगह या रैश पर आलू लगाने से जलन और सूजन कम करने में मदद मिलती है. इसके अलावा, जले हुए निशानों पर उबले हुए आलू मैश करने से वे हल्के हो सकते हैं. आलू खाने से महिलाओं में बढ़ती उम्र के निशान भी कम होते हैं. आसान शब्दों में कहें तो, आलू कम मात्रा में खाना सेहत के लिए फायदेमंद होता है, और इसमें मौजूद न्यूट्रिएंट्स हेल्दी एजिंग में मदद करते हैं

आलू में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं जो स्किन को बचाते हैं. इनमें विटामिन ब्, ठ-कॉम्प्लेक्स विटामिन और पोटैशियम, मैग्नीशियम, फास्फोरस और जिंक जैसे मिनरल भी भरपूर होते हैं, ये सभी स्किन की सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं. आलू मुंहासा. और दाग-धब्बों के इलाज में भी असरदार होते हैं. स्किन केयर के लिए आलू का इस्तेमाल करने के कई आसान तरीके हैं, जो इस प्रकार है...

आलू से सुंदरता बढ़ाने के उपाय

दो उबले हुए आलू के गूदे में दो बड़े चम्मच दूध मिलाकर पेस्ट बना लें. इस पेस्ट को हल्का गर्म रहते हुए ही रुई की मदद से चेहरे पर लगाएं. इसे आधे घंटे तक सूखने दें और फिर गुनगुने पानी से धो लें. इससे चेहरा चमकदार बनता है.

एक गिलास पानी में कच्चे आलू का गूदा उबालें. जब पानी पूरी तरह सूख जाए, तो बचे हुए गूदे को हफ्ते में दो बार चेहरे पर लगाएं. इससे त्वचा के दाग-धब्बे दूर होते हैं.

1.5 चम्मच चीनी में 1 चम्मच कच्चे आलू का गूदा मिलाएं और चेहरे पर लगाएं. आधे घंटे बाद ठंडे पानी से चेहरा धो लें, इससे चेहरे पर चमक आएगी.

कच्चे आलू को मैश करें, उसमें एक चम्मच शहद मिलाएं और फेस पैक की तरह इस्तेमाल करें. आपको बेहत. रीन नतीजे मिलेंगे.

आंखों के नीचे काले घेरे (डार्क सर्कल्स) को हटाने में आलू असरदार होता है. आलू को गोल टुकड़ों में काटें और कुछ देर के लिए फ्रिज में रख दें. फिर, इन टुकड़ों को अपनी आंखों के नीचे रखें. रोजाना ऐसा करने से डार्क सर्कल्स खत्म हो जाएंगे.

एक चम्मच आलू के रस में एक चम्मच मुल्तानी मिट्टी मिलाएं. इस मिश्रण को अपने चेहरे पर लगाएं और सूखने दें. इसे पहले गुनगुने पानी से और फिर ठंडे पानी से धो लें. इसके अलावा, आलू उबालकर उसका पेस्ट

क्या आप भी फैटी लिवर डिजीज से हैं परेशान? तो इसे नेचुरली कंट्रोल में रखने के लिए ये चीजें खाएं

डायबिटीज और हाई ब्लड प्रेशर की तरह ही, आजकल फैटी लिवर की बीमारी पर भी काफी चर्चा हो रही है. एक्सपर्ट्स का कहना है कि सुस्त जीवनशैली, खान-पान की आदतें, मोटापा और बहुत ज्यादा शराब पीना इस बीमारी के मुख्य कारण हैं. इस बीमारी का सही समय इलाज न होने पर लिवर को काफी नुकसान पहुंच सकता है. फैटी लिवर की बीमारी को कंट्रोल करने में खान-पान की अहम भूमिका होती है. ऐसे में आइए इस खबर में जानते हैं कि लिवर को स्वस्थ रखने और इस बीमारी को कंट्रोल करने के लिए किस तरह का खाना खाना चाहिए...लहसुन: जानक. ारों का कहना है कि यह लिवर में फैट जमा होने से रोकता है. साइंसडायरेक्ट के अनुसार, रोजाना थोड़ी मात्रा में कच्चा लहसुन खाने या इसे खाने में शामिल करने से लिवर की सेहत अच्छी रहती है. लहसुन में पाया जाने वाला 'एलिसिन' नाम का तत्व लिवर का फैट कम करने में मदद करता है.

टोफू: यह पौधों से मिलने वाला प्रोटीन है. जानकारों का कहना है कि इसमें फैट कम होता है और यह इंसु. लिन सेंसिटिविटी को बेहतर बनाने में मददगार माना जाता है. टोफू में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट लिवर की सूजन को कम करने और सेल्स को नुकसान से बचाने में मदद करते हैं.

कॉफी: कई स्टडीज से पता चला है कि कॉफी पीने से लिवर एंजाइम का लेवल कम होता है और सूजन भी घटती है. जानकारों का कहना है कि कॉफी में मौजूद कैफीन ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस से लड़ता है. रोजाना दो से तीन कप कॉफी पीने से लिवर फाइब्रोसिस और सिरोसिस का खतरा कम हो सकता है. नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन के अनुसार, रोजाना दो कप कॉफी पीने से लिवर कैंसर का खतरा 43 फीसदी तक कम हो सकता है.

ग्रीन टी: जानकारों का कहना है कि इसमें 'कैटेचिन' (बंजमबीपदे) नाम के शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट होते हैं. ये न सिर्फ लिवर की चर्बी कम करते हैं, बल्कि अपने एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों की वजह से सूजन भी कम करते हैं. मायो क्लिनिक के अनुसार, ब्लैक कॉफी, ग्रीन टी और अखरोट में पाए जाने वाले एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण लिवर की चर्बी कम करने में मदद करते हैं.

क्रूसिफेरस सब्जियां: ब्रोकली, फूलगोभी और पत्तागोभी जैसी सब्जियां लिवर में डिटॉक्स करने वाले एंजाइम को सक्रिय करती हैं. इनमें मौजूद प्राकृतिक कंपाउंड और एंटीऑक्सीडेंट लिवर की कोशिकाओं. की रक्षा करते हैं.

अखरोट: इनमें ओमेगा-3 फैटी एसिड और एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में होते हैं. जानकारों का कहना है कि नियमित रूप से अखरोट खाने से फैटी लिवर की समस्या कम हो सकती है. साथ ही, ये लिवर एंजाइम के काम को बेहतर बनाने में भी मदद करते हैं.

एवोकाडो: इस फल में ग्लूटाथियोन नाम का एंटीऑक्सीडेंट होता है. जानकारों के मुताबिक, यह लिवर से टॉक्सिन्स को बाहर निकालने में मदद करता है. एवोकाडो में पाए जाने वाले विटामिन ६, ठ9 और ᴹ के साथ-साथ ओलिक एसिड भी लिवर की सेहत के लिए बहुत फायदेमंद माने जाते हैं.

बेरीज: जानकारों का कहना है कि ब्लूबेरी, स्ट्रॉबेरी और रास्पबेरी में एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में होते हैं. ये लिवर की सूजन कम करने और सेल्स की मरम्मत में मदद करते हैं.

बहुत ज्यादा स्ट्रेस बढ़ा सकता है हृदय रोग का खतरा, डॉक्टर ने बताया तनाव के लक्षण और कैसे करें कंट्रोल?

बहुत कम लोग जानते हैं कि मान. सिक तनाव का प्रभाव नींद और मना. दशा से भी अधिक हमारे हृदय स्वास्थ्य पर पड़ता है। कभी-कभार तनाव होना सामान्य है, लेकिन अगर तनाव लंबे समय तक बना रहे, तो यह दिल की सेहत पर असर डाल सकता है। पंजाब की जानी-मानी होम्योपैथिक चिकित्सक, डायटिशियन एवं समग्र स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉक्टर कोमल भंगू ग्रेवाल कहती हैं कि लगातार तनाव के कारण शरीर में हाई ब्लड प्रेशर, सूजन और कोलेस्ट्रॉल से जुड़ी समस्याओं का खतरा बढ़ सकता है और समय के साथ ये कारक हृदय रोग, हार्ट अटैक और स्ट्रोक के जोखिम को बढ़ाने में योगदान दे सकते हैं।

हृदय, तनाव से कैसे प्रभावित होता है?जब आप बहुत ज्यादा तनाव लेते हैं, तो शरीर में कोर्टिसोल और एड्रेनालाईन जैसे स्ट्रेस हार्मोन का स्तर बढ़ जाता है। इससे कुछ समय के लिए रक्तचाप और हृदय गति बढ़ सकती है। लेकिन, लंबे समय तक तनाव रहने पर धमनियों में सूजन, उच्च रक्तचाप और कोलेस्ट्रॉल असंत. लन जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

तनाव के संकेत कैसे पहचानें?

अगर आप लगातार तनाव में रहते हैं, तो छाती में कसाव या हल्का दर्द हो सकता है। खासकर, तनाव के दौरान, सांस लेने में परेशानी, नींद में दिक्कत, चिड़चिड़ापन की समस्याएँ जैसे लक्षण नजर आ सकते हैं

तनाव को कैसे करें नियंत्रित ?

रोजान करें वॉक: तनाव को कम करने के लिए रोजाना 30 मिनट तक वॉक करें। रोजाना चलने से स्ट्रेस हार्मोन कम होता है और हृदय को मजबूत करने में मदद मिल सकती है। वॉक के साथ ही ध्यान, योग या कुछ मिनटों तक गहरी सांस लेने का अभ्यास आपके तंत्रिका तंत्र को धीमा कर सकता है जिससे ब्लड प्रेशर कंट्रोल में रहता है।

अच्छी नींद है जरूरी: स्ट्रेस कम करने के लिए सबसे जरूरी है नींद ज्यादा लें। अच्छी नींद लेने से शरीर को तनाव से उबरने में मदद मिलती है। इसलिए, रात में लगभग सात से आठ घंटे सोने का लक्ष्य बनाएं।

हेल्दी डाइट: दिल की सेहत के लिए अपनी डाइट भी अच्छी करें। अपनी डाइट में आप फल, सब्जियां, साबुत अनाज और ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर खाद्य पदार्थों को शामिल करें।

म्यांमार के रखाइन में एक बाजार के पास हवाई हमले में 49 लोगों की मौत, 56 घायल

बैंकॉक: म्यांमार की सेना ने सोमवार को एक शक्तिशाली विद्रोही समूह के नियंत्रण वाले क्षेत्र में एक बाजार के पास हवाई हमला किया. इसमें कम से कम 49 लोग मारे गए और 58 अन्य घायल हो गए. समूह और एक बचाव अधिकारी ने यह जानकारी दी. पश्चिमी राखीन राज्य में हुआ हमला देश भर में लोकतंत्र समर्थक प्रतिरोध बलों और जातीय सशस्त्र समूहों के खिलाफ घातक हवाई हमलों की श्रृंखला में नवीनतम है. म्यांमार की सेना ने एक फरवरी 2021 में आंग सान सू की चुनी हुई सरकार का तख्तापलट कर देश पर नियंत्रण कर लिया था. तब से म्यांमार में उथलपुथल मची हुई है.

।प्ज्ञ्ब्ह्म् प्छ ळन् छिड़ ।ह र ड्डभ्च्ह्म्

म्यांमार के रखाइन राज्य के क्याउकताव टाउनशिप में सोमवार को सेना के हवाई हमले के बाद एक पुल का टूटा हुआ हिस्सा दिख रहा है. (।ष्सिसे बड़े पैमाने पर विरोध शुरू हो गया है. सुरक्षा बलों द्वारा शांतिपूर्ण विरोध को ताकत से दबाने के बाद सैन्य शासन के कई विरोधियों ने हथियार उठा लिए. इससे देश के बड़े हिस्से संघर्ष में फंस गए. अराकान आर्मी के अनुसार सोमवार का हमला देश के दूसरे सबसे बड़े शहर मांडले से लगभग 340 किलोमीटर (210 मील) पश्चिम में क्याउकताव टाउनशिप में हुआ. अराकान आर्मी रखाइन में स्थित एक शक्तिशाली जातीय सशस्त्र समूह है जो क्याउकताव को नियंत्रित करता है.

हमले की जानकारी को खुद से कन्फर्म करना नामुमकिन था. अराक. ान आर्मी ने मंगलवार सुबह जारी एक बयान में कहा कि एक फाइटर जेट ने दोपहर के आसपास एक लोकल मार्केट के पास दो बम गिराए, जिससे दुकानदार, खरीदार और पैदल चलने वाले मारे गए. ग्रुप ने कहा कि 58 और लोग घायल हुए, जिनमें से 22 की हालत गंभीर है.

बयान में कहा गया है कि ग्रुप जानबूझकर किए गए हवाई हमलों के लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार लोगों असरदार जवाबी कदम उठाएगा, जिससे बड़े पैमाने पर मौतें हुई हैं. रखाइन के एक सीनियर रेस्क्यू अधिकारी वाई हुन आंग ने एसोसिएटेड प्रेस को मारे गए लोगा. ' की संख्या कन्फर्म की और मौके पर मौजूद रेस्क्यू वर्कर्स का जिक्र किया. उन्होंने कहा कि यह मार्केट इलाके का मेन होलसेल सेंटर था, जहां पूरे राज्य से व्यापारी और खरीदार आते थे. उन्होंने कहा, 'यह रखाइन में हुए सबसे गंभीर हवाई हमलों में से एक है.' सोशल मीडिया पर इस हमले को लेकर खौफनाक तस्वीरें पोस्ट की गई. इनमें इमारतों में आग लगी हुई, गाड़ियों को नुकसान पहुंचा और पास के पुल के कुछ हिस्से टूटे हुए दिखे. सेना ने हमले पर तुरंत कोई कमेंट नहीं किया. उसने पहले कहा था कि वह सिर्फ सही मिलिट्री ठिकानों पर हमला करता है और उसने रेजिस्टेंस ग्रुप्स पर आतंकवाद का आरोप लगाया है.अराकान आर्मी म्यांमार की सेंट्रल गवर्नमेंट से रखाइन के जातीय अल्पसंख्यक के लिए स्वायत्तता की मांग करने वाले एक मूवमेंट की अच्छी तरह से ट्रेंड और हथियारों से लैस मिलिट्री विंग है. इसने नवंबर 2023 में रखाइन में एक हमला किया और तब से एक रणनीतिक रूप से जरूरी रीजनल मिलिट्री हेडक्वार्टर और राज्य के 17 टाउनशिप में से 14 पर कब्जा कर लिया है.रखाइन में लड़ाई तेज होने के बाद से मिलिट्री ने ट्रेड रूट पर कड़ी रोक लगा दी है, जिससे खाने की कमी और बढ़ गई है. दिसंबर में रखाइन के मरौक–यू टाउनशिप के एक हॉस्पिटल पर मिलिट्री एयरस्ट्राइक में कम से कम 34 लोग मारे गए और 80 दूसरे घायल हो गए.

इन चार तरह के नट्स को खाने से वजन घटाने में मिलती है मदद, जानिए इनका सेवन किस तरह करना चाहिए

आजकल बहुत से लोग मोटापे से जूझ रहे हैं और वजन कम करने की कोशिश कर रहे हैं. लोग अक्सर मानते हैं कि वजन कम करने के लिए कम खाना या स्ट्रिक्ट डाइट फॉलो करना जरूरी है. हालांकि, आप न्यूट्रिएंट्स से भरपूर खाना खाकर अपना वजन मैनेज कर सकते हैं. नट्स इसका एक उदाहरण हैं. वे शरीर को जरूरी न्यूट्रिएंट्स देकर वजन घटाने में अहम भूमिका निभाते हैं.नट्स में फाइबर, हेल्दी फैट, प्रोटीन, विटामिन और मिनरल भरपूर होते हैं जिनकी शरीर को जरूरत होती है. ये आपको ज्यादा देर तक पेट भरा हुआ महसूस कराते हैं और बेवजह स्नैक खाने की इच्छा को रो. कते हैं. नट्स में मौजूद फाइबर पाचन संबंधी समस्याओं को रोकने में मदद करता है, जबकि प्रोटीन और फाइबर का कॉम्बिनेशन भूख को कंट्रोल करने में मदद करता है. इन्हें अपनी डाइट में शामिल करना भी आसान है. आइए अब चार तरह के नट्स देखते हैं जो वजन घटाने में मदद करते हैं और उन्हें खाने का सबसे अच्छा तरीका क्या है...1. चिया सीड्स– हार्वर्ड की रिसर्च के अनुसार, चिया सीड्स पानी सोखकर जेल में बदल जाते हैं. सिर्फ दो बड़े चम्मच चिया सीड्स में लगभग 10 ग्राम फाइबर के साथ–साथ प्रोटीन, ओमेगा–3 फैटी एसिड, कैल्शियम और मैग्नीशियम भी होता है. ये वजन घटाने में मदद करते हैं.इसे ऐसे खाएं: बड़े चम्मच चिया सीड्स, 1 कप दूध (बादाम या सोया मिल्क), बेरीज और एक चुटकी दालचीनी पाउडर लें. चिया सीड्स को दूध में मिलाएं और रात भर के लिए फ्रिज में रख दें. सुबह इसमें बेरीज और दालचीनी पाउडर मिलाएं और नाश्ते में इसका मजा लें.2. अलसी के बीज: नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन में छपी एक स्टडी के अनुसार, अलसी के बीजों में घुलनशील फाइबर होता है. यह आंतों में जेल जैसी परत बनाता है और पाचन को धीमा कर देता है, जिससे आपका पेट लंबे समय तक भरा हुआ महसूस होता है. जब अलसी के बीजों को साबुत खाने के बजाय पीसकर खाया जाता है, तो शरीर पोषक तत्वों को ज्यादा आसानी से सोख पाता है. आप 1 कप दही (ग्रीक योगर्ट और भी बेहतर है) में 1 बड़ा चम्मच अलसी के बीज का पाउडर, केले के टुकड़े और कुछ सूखे मेवे मिलाकर एक हेल्दी नाश्ता तैयार कर सकते हैं.3. सूरजमुखी के बीज: बपमदबमक्फ्तमबज में छपी एक स्टडी के अनुसार, सूरजमुखी के बीज में हेल्दी फैट और प्रोटीन भरपूर मात्रा में होते हैं. यह भूख को कंट्रोल करने और आपको जंक फूड खाने से रोकने में मदद कर सकते हैं. इनमें विटामिन म्, हेल्दी अनसैचुरेटेड फैट, मैग्नीशियम और सेलेनियम जैसे पोषक तत्व होते हैं.इसे ऐसे खाएं: 2–2 बड़े चम्मच सूरजमुखी के बीज, बादाम, अखरोट और किशमिश या खजूर लें, इन सबको एक साथ मिलाएं और इस मिक्सचर को एक एयरटाइट डिब्बे में रखें ताकि जब भी भूख लगे, आप मुट्ठी भर बीज खा सकें.

4. सब्जा के बीज: नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन की एक रिपोर्ट के मुताबिक, सब्जा के बीज को पानी में भिगोने पर फूलकर जेल जैसे हो जाते हैं. ये न सिर्फ शरीर को ठंडक देते हैं, बल्कि इनमें कैलोरी भी कम होती है और पेट को लंबे समय तक भरा हुआ महसूस कराने में मदद करते हैं. इनमें डाइटरी फाइबर, प्रोटीन, आयरन, कैल्शियम और एंटीऑक्सीडेंट जैसे पोषक तत्व होते हैं.इसे ऐसे खाएं: 1 चम्मच सब्जा या तुलसी के बीज, 1 गिलास पानी, आधे नींबू का रस और बर्फ के टुकड़े (ऑप्शनल). सब्जा के बीजों को 15–20 मिनट के लिए पानी में भिगो दें. जब वे फूल जाएं, तो नींबू का रस डालें और मिक्सचर पी लें.ध्यान देने वाली बात

ध्यान रखें कि नट्स और सीड्स सेहत के लिए फायदेमंद तो होते हैं, लेकिन उनमें कैलोरी ज्यादा होती है. इसलिए, दिन में 1 से 2 चम्मच से ज्यादा न खाएं. हाई–फाइबर वाली चीजें खाने के बाद पर्याप्त मात्रा में पानी पीना जरूरी है. नहीं तो, कब्ज और ब्लोटिंग जैसी दिक्कतें हो सकती हैं. नट्स और सीड्स वजन घटाने में मदद कर सकते हैं, लेकिन वे अकेले सॉल्यूशन नहीं हैं. बैलेंस्ड डाइट, रेग. ुलर ए4. सब्जा के बीज: नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन की एक रिपोर्ट के मुताबिक, सब्जा के बीज को पानी में भिगोने पर फूलकर जेल जैसे हो जाते हैं. ये न सिर्फ शरीर को ठंडक देते हैं, बल्कि इनमें कैलोरी भी कम होती है और पेट को लंबे समय तक भरा हुआ महसूस कराने में मदद करते हैं. इनमें डाइटरी फाइबर, प्रोटीन, आयरन, कैल्शियम और एंटीऑक्सीडेंट जैसे पोषक तत्व होते क्सरसाइज और पूरी नींद भी जरूरी है. अलसी के बीजों को हमेशा भूनकर और पीसकर खाना चाहिए, क्योंकि उन्हें साबुत खाने से ये बिना पचाए

अनंत चतुर्दशी पूजा सामग्री लिस्ट: 14 गांठों वाले अनंत धागे से लेकर भोग तक, नोट करें पूरी सूची

अनंत चतुर्दशी सनातन धर्म का एक महत्वपूर्ण त्योहार है जो हर साल भादपद शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी तिथि को मनाया जाता है। इस दिन श्रद्धालु व्रत रखते हैं और भगवान विष्णु के अनंत रूप की पूजा–अर्चना करते हैं। इसके साथ ही इस दिन माता यमुना और शेषनाग की पूजा का भी विशेष महत्व माना जाता है। यह गणेशोत्सव का आखिरी दिन भी होता है इसलिए इस दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु गणेश विसर्जन करते हैं। अनंत चतुर्दशी पर भगवान विष्णु के पूजन और अनंत धागा बनाने के लिए कुछ विशेष साम. ग्रियों की जरूरत होती है। चलिए इस बारे में आपको विस्तार से बताते हैं। अनंत चतुर्दशी पूजा सामग्री लिस्ट भगवान विष्णु, माता लक्ष्मी और शेषनाग की तस्वीर गणेश जी की प्रतिमा वस्त्र–आभूषणगंगाजल

एक लोटा जल अभिषेक और शुद्धि के लिएपीला वस्त्र चौकी पर बिछाने के लिएदीपक और रुई की बाती

धूप बत्ती वाकपूर फल और मिठाई

फूल, तुलसी दलअशोक के पत्त, सुपारदक्षिणाअनंतचतुर्दशी व्रत कथा की किताबअनत सूत्र सामग्री लिर

अनत सूत्र बनाने के लिए सूती या रेशमी धागाहल्दी की गांठ या केसर अनंत धागे को रंगने के लिए

14 गांठ वाला बना बनाया अनंत सूत्र भी मार्केट से खरीद सकते हैं

अनंत चतुर्दशी पूजा विधि

अनंत चतुर्दशी के दिन एक चौकी पर पीले रंग का कपड़ा बिछाएं और उस पर भगवान विष्णु की प्रतिमा स्थापित करें। भगवान विष्णु की ऐसी प्रतिमा लें जिसमें माता लक्ष्मी और शेषनाग भी रहें।

इसके बाद भगवान को चंदन, हल्दी, रोली व केसर से तिलक करें।

फिर एक सूती या रेशमी धागे को हल्दी से रंगकर उसमें 14 गांठें लगा लें।फिर इस धागे को भगवान की प्रतिमा के समक्ष रखें।

फिर भगवान को फूल, दूर्वा, अक्षत, सुपारी और तुलसी दल अर्पित करें। भगवान की प्रतिमा के समक्ष धूप और दीपक जलाएं।

साथ ही भगवान को फल–मिठाई का भोग लगाएं।फिर अनंत चतुर्दशी की कथा सुनें।

पूजा के बाद पुरुष अनंत सूत्र को अपने दाहिने हाथ में और महिलाएं बाएं हाथ में बांध लें।

अंत में कपूर से आरती करें और भगवान से परिवार की सुख–समृद्धि की प्रार्थना करें।

ॆ फेडरल कोर्ट ने एंथ्रोपिक की चुनौती को किया खारिज, पेंटागन अपने सिस्टम से ब्संनकम मॉडल को हटाना रखेगा जारी

हैदराबाद: पेंटागन के साथ एंथ्रोपिक के विवाद में एक नया मोड़ आया है. शुक्रवार को एक फेडरल अपील कोर्ट ने एंथ्रोपिक की उस चुनौती को खारिज कर दिया, जिसमें उसने सरकार द्वारा उसे 'सप्लाई चेन रिस्क' करार दिए जाने का विरोध किया था. इस फैसले के बाद पेंटागन अपने सिस्टम से एंथ्रोपिक के ब्संनकम मॉडल को हटाना जारी रख सकता है और रक्षा विभाग के कामों में उसके उत्पादों के इस्तेमाल पर रोक लगा सकता है.डिस्ट्रिक्ट ऑफ कोलंबिया सर्किट के लिए ॆ. कोर्ट ऑफ अपील्स के जजों ने पेंटागन के पक्ष में 2–1 से फैसला सुनाया. पेंटागन के मुख्य प्रवक्ता शॉन पार्नेल ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि, "आज क्ब सर्किट कोर्ट का फैसला डिपार्टमेंट के रुख्न को पूरी तरह सही ठहराता है." ।ॅ कंपनी और सरकार के बीच विवाद फरवरी में तब शुरू हुआ, जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने एंथ्रोपिक पर राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डालने का आरा. ेप लगाया और कंपनी को सप्लाई चेन के लिए जोखिम करार दिया.एन्थ्रोपिक के ब्म् डारियो अमोदेई ने इन चिंताओं के बावजूद पीछे हटने से इनकार कर दिया कि कंपनी के प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल बड़े पैमाने पर निगरानी या खुद से चलने वाले हथियारों से लैस ड्रोन के लिए किया जा सकता है.

यह फैसला इस गर्मी में कैलिफोर्निया में आए उस फैसले से अलग है, जिसमें एक फेडरल जज ने पाया था कि पेंटागन ने ।ॅ के इस्तेमाल पर अपनी राय की आलोचना करने के लिए ।ॅ कंपनी को सजा देकर गैर–कानूनी काम किया था.

इस साल की शुरुआत में वॉशिंगटन, क.ब्. में दायर यह केस पेंटागन के एक अलग नियम पर केंद्रित था, जिसका इस्तेमाल करके वह ।दजीतवचपब को सप्लाई चेन के लिए जोखिम घोषित करने की कोशिश कर रहा था.

बहुमत की राय में कहा गया है कि पेंटागन के पास अपने कदमों के लिए पर्याप्त आधार था. इसमें यह भी बताया गया है कि खुद एंथ्रोपिक ने माना है कि "कंपनी ब्संनकम में ऐसी पाबंदियां लगाती है, जो मॉडल को उन कामों को करने से रोकती हैं, जिन्हें एंथ्रोपिक नहीं होने देना चाहता. "जज ग्रेगरी जी. कत्सास ने बहुमत की राय में लिखा कि, "विभाग को उचित रूप से यह आशंका थी कि एंथ्रोपिक, ब्संनकम के डिजाइन में हेर–फेर कर सकता है, ताकि उसे राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े वे काम करने से रोका जा सके, जिन्हें विभाग अनुबंध के तहत अधिकृत और जरूरी मानता है."बहुमत बनाने वाले कात्सास और जज नियोमी राव, दोनों को ही ट्रंप ने नॉमिनेट किया था. असहमति जताने वाली एकमात्र जज, करेन लेक्राफ्ट हेंडरसन को रिपब्लिकन राष्ट्रपति जॉर्ज एच. डब्ल्यू. बुश ने नॉमिनेट किया था.

जजों ने कहा कि उन्हें इस बात पर शक करने की कोई वजह नहीं है कि एंथ्रोपिक, ब्संनकम पर पाबंदी लगाने में नेक इरादों के साथ काम करता है, खासकर प्राइवेसी और ।ॅ सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं के मामले में. लेकिन उन्होंने कहा कि इस संदर्भ में सप्लाई चेन रिस्क की परिभाषा इस बात पर

एक साथ बल्लेबाजी करते समय रोहित–कोहली क्या बात करते हैं? हिटमैन ने किया बड़ा खुलासा

टीम इंडिया के दो दिग्गज बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज में बीजी है. भारत सीरीज में पहला मैच 8 विकेट से जीतकर 1–0 से आगे है. दूसरा मैच 30 सितंबर को गुवाहाटी में खेला जाएगा. जहा भारतीय फैंस इन दोनों बल्लेबाजों से एक और शानदार पारी की उम्मीद कर रहे हैं. इस मैच से पहले रोहित शर्मा ने जियोस्टार पर विराट कोहली के बारे में खुलकर बात की है. साथ में हिटमैन ने ये भी बताया की जब मैं और विराट एक साथ बल्लेबाजी करते हैं तो फिर क्या बात होती है.

बल्लेबाजी करते समय रोहित–कोहली क्या बात करते हैं?

रोहित ने कहा कि दोनों के बीच बात. चीत टूर्नामेंट की अहमियत के बारे में कम और मैच के दौरान आने वाली स्थितियों के बारे में ज्यादा होती है. उन्होंने बताया कि उनकी बातचीत अक्सर साथ बैटिंग करते समय ज्यादा होती है. रोहित शर्मा ने कहा, 'जब हम साथ में बैटिंग करते हैं, तो हम बात करते हैं कि किस पर अटैक करना है, किससे सिंगल लेना है, क्या करना है. कभी–कभी मेरे पैर में कुछ दिक्कत होती है, तो मैं उससे कहता हूं, भाई, ध्यान से दौड़ना, मुझे कुछ महसूस हो रहा है, तो वह उस बात को समझते हैं, और आप जानते हैं, ऐसी बातचीत होती रहती है. इसलिए यह काफी मजेदार रहा है.'विराट को वर्ल्ड कप की अहमियत बताने की जरूरत नहीं

भारत के पूर्व कप्तान का ये भी कहना है कि 2027 वनडे वर्ल्ड कप से पहले उनकी बातचीत भारत को मैच और टूर्नामेंट जिताने में मदद करने वाली प्रैक्टिकल बातों पर भी होती है, लेकिन रोहित ने ये भी कहा कि विराट कोहली ऐसा प्लेयर है जिसक. ो वर्ल्ड कप की अहमियत बताने की जरूरत नहीं है. रोहित ने कहा, 'वह इतने सालों से खेल रहे हैं. चाहे '27 का वर्ल्ड कप हो या '23 का, उन्हें यह समझाने की जरूरत नहीं है. वर्ल्ड कप तो वर्ल्ड कप होता है. और मुझे पूरा यकीन है कि टीम का हर सदस्य वर्ल्ड कप की अहमियत समझता है. और खासकर कोहली. मेरा मतलब है, इस टीम में सबसे ज्यादा वर्ल्ड कप खेलने वाले खिलाड़ी वही हैं.'कोहली का पांचवां वर्ल्ड कप

बता दें कि कोहली 2027 में अपना पांचवां वर्ल्ड कप खेलेंगे. इससे पहले वह 2011, 2015, 2019 और 2023 के टूर्नामेंट में खेल चुके हैं. रोहित, जिन्होंने अपने ज्यादातर इंटरनेशनल करियर में कोहली के साथ ड्रेसिंग रूम शेयर किया है, ने कहा कि टॉप लेवल पर खेलने के अनुभव का मतलब है कि टूर्नामेंट की अहमियत उन्हें पहले से ही अच्छी तरह पता है. हमारे मकसद टीम को जीताना रहा हैसालों में अपनी–अपनी भूमिकाओं में बदलाव के बावजूद, रोहित ने कहा कि मुख्य मकसद वही रहा है. चाहे उनमें से कोई कप्तान रहा हो या टीम का सीनियर सदस्य, फोकस हमेशा टीम सफलता पर रहा है.उन्होंने कहा,

मजबूत घरेलू अर्थव्यवस्था के दम पर वैश्विक संकटों से मजबूती से लड़ रहा है भारतः त्ठप् बुलेटिन

मुंबईः वैश्विक स्तर पर जारी उथल–पुथल और तनाव के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक राहत भरी खबर आई है. भारतीय रिजर्व बैंक (त्ठप्) के ताजा बुलेटिन में प्रकाशित 'स्टेट ऑफ द इकोनॉमी' लेख के अनुसार, भारत के वित्तीय और बाहरी क्षेत्र घरेलू अर्थव्यवस्था की मजबूती के कारण बेहद सुरक्षित और सुदृढ़ स्थिति में हैं. हालांकि, रिजर्व बैंक ने चेतावनी भी दी है कि पश्चिम एशिया में बढ़ता भू–राजनीतिक तनाव और मौसम की अनिश्चितताएं आने वाले समय में देश के लिए बड़ी चुनौतियां बन सकती हैं.वैश्विक तनाव और कच्चे तेल का बढ़ता खतरा

सितंबर महीने में पश्चिम एशिया में संघर्ष तेज होने के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल आया है. आरबीआई बुलेटिन के अनुसार, तेल महंगा होने से दुनिया भर की सप्लाई चेन बाधित होने का खतरा बढ़ गया है. इससे भारत के भीतर भी महंगाई का दबाव दोबारा बढ़ने की आशंका पैदा हो गई है. इसके अलावा, दुनिया की बड़ी विकसित अर्थव्यवस्थाओं में सरकारी बॉन्ड की यील्ड बढ़ने से उनके सरक. ारी खजाने पर दबाव देखा जा रहा है, जिसका थोड़ा–बहुत असर वैश्विक बाजारों पर भी पड़ रहा हैमुश्किलों के बावजूद विकास दर मजबूत

इन तमाम अंतरराष्ट्रीय चुनौतियों के बावजूद, वित्त वर्ष 2026–27 की पहली तिमाही (फ1) में भारतीय अर्थव्यवस्था ने शानदार सकल घरेलू उत्पाद (ळक्च्) विकास दर दर्ज की है. लेख में स्पष्ट किया गया है कि देश का वास्तविक आर्थिक आधार इतना मजबूत है कि वह बाहरी झटकों को आसानी से झेल रहा है. अगस्त और सितंबर के दौरान देश के शेयर बाजारों में सुस्ती जरूर देखी गई, क्योंकि वैश्विक तनाव और बढ़ते बॉन्ड यील्ड के कारण निवेशकों ने फूंक–फूंक कर कदम रखा. इसके चलते सितंबर में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (थ्च्प्) ने भारतीय बाजार से पैसे निकाले, जबकि अगस्त में उन्होंने जमकर निवेश किया था.

विदेशी मुद्रा भंडार रिकॉर्ड स्तर पर

भारत के लिए सबसे बड़ी मजबूती इसका विदेशी मुद्रा भंडार है. जून में सरकार और आरबीआई द्वारा उठाए गए कुछ महत्वपूर्ण कदमों के कारण देश का विदेशी मुद्रा भंडार 18 सितंबर 2026 तक बढ़कर 765.9 अरब अमेरिकी डॉलर (न्ै 765.9 ठपससपवद) के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है. इसके साथ ही, जुलाई महीने में देश में आने वाला प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (क्मज थ्क्प्) पिछले पांच वर्षों में किसी भी एक महीने के मुकाबले सबसे ऊंचे स्तर पर रहा. अप्रवासी भारतीयों (छत्प्) द्वारा बैंकों में जमा की जाने वाली रकम में भी भारी बढ़ोतरी देखी गई है. सेवाओं के निर्यात और विदेशों से आने वाले रेमिटेंस (प्रवासियों द्वारा भेजा गया धन) के दम पर भारत का चालू खाता घाटा भी पूरी तरह नियंत्रण में है.

बैंकिंग सेक्टर और बाजार में

।ेपंद ळंउमे 2026: भारत ने 7वें दिन जीता 3 गोल्ड मेडल, कबड्डी में भारतीय टीम का डबल धमाका

जापान में हो रहे एशियाई खेलों के सातवें दिन भारत ने शानदार प्रदर्शन किया. पुरुष और महिला कबड्डी टीमों ने अपने–अपने फाइनल में ईरान को हराकर गोल्ड मेडल जीता. महिला टीम ने अपना फाइनल मैच 37–34 से जीता जबकि पुरुष टीम ने 40–34 से खिताबी मुकाबला अपने नाम किया. इससे पहले भारत के सावन बरवाल ने मैराथन इवेंट में सिल्वर मेडल जीता, जिससे भारत के एशियाई खेलों में इस इवेंट में 44 साल बाद कोई मेडल जीतने का इंतजार खत्म हुआ.

इसके बाद तिलोत्तमा सेन, विदर्शा विनोद कोचालुमकल और आशी चौकसे ने महिलाओं की 50 मीटर राइफल 3 पोजिशन टीम इवेंट में सिल्वर मेडल जीता. फिर स्क्वाश में जोशना चिनप्पा और वेलवन सेंथिलकुमार ने ब्रॉन्ज मेडल जीता. दिन के आखिर में तजिंदरपाल सिंह तूर ने पुरुषों के शॉट पुट में सिल्वर मेडल जीता और प्राची चौधरी ने महिला 400 मीटर दौड़ में ब्रॉन्ज मेडल जीता. इसके साथ भारत ने आज कुल 7 मेडल अपने नाम किए. मेडल टैली में भारत अभी 30 मेडल के साथ 10वें स्थान पर है. जिसमें 4 गोल्ड, 12 सिल्वर और 14 ब्रॉन्ज शामिल हैं1:05 च्ड, 26 ैमच 2026 (प्ै)

प्राची चौधरी ने महिला 400 मीटर में जीता ब्रॉन्ज मेडलभारत की प्राची चौधरी ने महिला 400 मीटर दौड़ के फाइनल में 53.21 सेकंड में पूरी करके तीसरा स्थान हासिल किया. बहरीन की सलवा नासेर ने 49.20 सेकंड के

इन खेलों के रिकॉर्ड समय के साथ गोल्ड मेडल जीता. ईरान की जहरा जारेई मनौजान ने 52.38 सेकंड के समय के साथ सिल्वर मेडल हासिल किया.11:04 च्ड, 26 ैमच 2026 (प्ै)

तजिंदरपाल सिंह तूर ने पुरुषों के शॉट पुट में सिल्वर मेडल जीता

तजिंदरपाल सिंह तूर ने पुरुषों के शॉट पुट में सिल्वर मेडल जीता. जो इन महाद्वीपीय खेलों में उनका तीसरा पदक है. पिछले दो चरण में स्वर्ण पदक जीतने वाले तूर ने 20.64 मीटर की दूरी तक गोला फेंककर दूसरा स्थान हासिल किया. ईरान के मोहम्मदरेजा तैयबीसे ने एशियाई खेलों का रिकॉर्ड तोड़ा और 20.81 मीटर के थ्रो के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया. इस तरह उन्होंने 2018 में तूर द्वारा बनाए गए 20.75 मीटर के रिकॉर्ड को तोड़ दिया. सऊदी अरब के मोहम्मद टोलू ने 20.48 मीटर के प्रयास के साथ कांस्य पदक जीता

3:34 च्ड, 26 ैमच 2026 (प्ै)

।ेपंद ळंउमे 2026 स्पअमः पुरुष कबड्डी टीम ने भी जीता गोल्ड मेडल

कबड्डी में महिला टीम के बाद पुरुष टीम ने भी गोल्ड मेडल जीत लिया है. उन्होंने ईरान को 40–34 स्कोर से हराया. ये मौजूदा एशियन गेम्स में भारत का चौथा गोल्ड है. जबकि एशियन गेम्स में ये भारतीय पुरुष कबड्डी टीम का 9वां गोल्ड मेडल है.

1:28 च्ड, 26 ैमच 2026 (प्ै)

।ेपंद ळंउमे 2026 स्पअमः भारत 27 मेडल के साथ 12वें स्थान पर

एशियन गेम्स 2026 मेडल टैली में भारत अभी 27 मेडल के साथ 12वें स्थान पर है. जिसमें 3 गोल्ड, 11 सिल्वर और 13 ब्रॉन्ज मेडल हैं.

एशियन गेम्स 2026: भारत ने पाकिस्तान को बुरी तरह हराकर क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाला हर मैच काफी ज्यादा रोमांचक होता है. लेकिन फैंस का उत्साह उस समय ज्यादा बढ़ जाता है जब ये मुकाबला क्रिकेट के मैदान में पहुंचता है. हालांकि जापान में जारी एशियाई खेलों के मेंस क्रिकेट प्रतियोगिता में ऐसा फिक्सचर बनाया गया है, जिसकी वजह से ये दोनों टीमें सिर्फ मेडल मैच में ही आमने सामने हो सकती हैं.लेकिन सोमवार को महिला और पुरुष टेबल टेनिस टीमों के मुक. ाबले में दोनों पड़ोसी देश आमने सामने आए. जिसमें पड़ोसी देश पाकिस्तान को बुरी तरह 3–0 से हार

का सामना करना पड़ा. इस शानदार जीत के साथ भारत की महिला टीम क्वार्टर फाइनल में जबकि मेंस टीम प्रीक्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर गई है.महिला टेबल टेनिस टीम का शानदार प्रदर्शनभारतीय महिला टीम ने ग्रुप एफ में लगातार तीसरी जीत दर्ज कर शीर्ष स्थान हासिल किया. भारत ने रविवार को अपने शुरुआती मुकाबलों में इंडोनेशिया और सिंगापुर को हराया था और इसके बाद चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ भी अपना दबदबा कायम रखा. पिछले एशियाई खेलों में महिला युगल में कांस्य पदक जीतने वाली सुतीर्था मुखर्जी ने पाकिस्तान की अलीना खान को केवल 10 मिनट में 11–3, 11–3, 11–4 से हराकर भारत को शानदार शुरुआत दिलाई. इसके बाद 17 वर्षीय सिंड्रेला दास ने कलसूम खान को 11–6, 11–7, 11–5 से

च्थ् की नई वेतन सीमा से आपकी बचत और पेंशन पर क्या असर पड़ेगा? जानिए पूरा गणित

नई दिल्लीः केंद्र सरकार ने नौकरीपेशा वर्ग को बड़ा सामाजिक सुरक्षा लाभ देने के लिए कर्मचारी भविष्य निधि (म्च्थ्) की अनिवार्य वैधानिक वेतन सीमा को ₹15,000 से बढ़ाकर ₹25,000 प्रति माह करने की मंजूरी दे दी है. साल 2014 के बाद इस सीमा में किया गया यह पहला बड़ा बदलाव है. इस फैसले से देश के करीब 51 लाख अतिरिक्त औपचारिक श्रमिकों को भविष्य निधि और पेंशन सुरक्षा के दायरे में लाया जा सकेगाइस नीतिगत बदलाव के कारण अब कर्मचारियों की मासिक बचत की रफ्तार तेज होगी, लेकिन साथ ही उनके हाथ में आने वाले वेतन पर भी इसका सीधा असर पड़ेगा.पीएफ योगदान का नया गणितः पहले बनाम अबईपीएफओ के नियमों के तहत पीएफ कटौती की दर 12ः पर स्थिर बनी हुई है. हालांकि, गणना के लिए वेतन का आधार बढ़ने से मासिक अंशदान की सीमाएं पूरी तरह बदल गई हैंवैधानिक वेतन आधारः पहले यह सीमा ₹15,000 थी, जो अब बढ़कर ₹25,000 हो गई है.

कर्मचारी का योगदानः न्यूनतम अनिवार्य कटौती ₹1,800 से बढ़कर अब ₹3,000 प्रति माह हो जाएगी. नियोक्ता का योगदाः कंपनी का अनिवार्य हिस्सा भी ₹1,800 से बढ़कर ₹3,000 प्रति माह होगा.कुल मासिक सामाजिक सुरक्षा निवेशः आपके पीएफ खाते में अब हर महीने ₹3,600 के बजाय ₹6,000 जमा होंगे, यानी सीधे ₹2,400 की बढ़ोतरी.

बचत और पेंशन पर दोहरा असर

1. रिटायरमेंट फंड में बंपर बढ़ोतरी और उच्च पेंशन (म्च्ै): मासिक योगदान में ₹2,400 की संयुक्त वृद्धि होने से कर्मचारियों का रिटायरमेंट कॉर्पस चक्रवृद्धि ब्याज की मदद से तेजी से बढ़ेगा. इसके अलावा, नियोक्ता के 12ः योगदान में से2. इन–हैंड सैलरी में कमी (क्रेडिट और सीटीसी मॉडल)ः जिन कर्मचारियों का पीएफ अब तक ₹15,000 की सीमा पर ही काटा जा रहा था, उनके वेतन से अब ₹1,200 एक हिस्सा कर्मचारी पेंशन योजना (म्च्ै) में जाता है. पहले पेंशन योग्य वेतन की सीमा ₹15,000 होने के कारण ईपीएस में अधिकतम ₹1,250 ही जमा हो पाते थे. अब वेतन सीमा ₹25,000 होने से मासिक ईपीएस आवंटन बढ़कर ₹2,083 हो जाएगा, जिससे सेवानिवृत्ति के बाद मिलने वाली मासिक पेंशन में उल्लेखनीय सुधार होगा.2. इन–हैंड सैलरी में कमी (क्रेडिट और सीटीसी मॉडल)ः जिन कर्मचारियों का पीएफ अब तक ₹15,000 की सीमा पर ही काटा जा रहा था, उनके वेतन से अब ₹1,200 अतिरिक्त कटेंगे, जिससे उनकी टेक–होम सैलरी कम हो जाएगी. जिन कंपनियों में कॉस्ट–टू–कंपनी (ब्ज्ब्) मॉडल लागू है, वहां कंपनी का बढ़ा हुआ हिस्सा (₹1,200) भी कर्मचारी के पैकेज से ही एडजस्ट किया जा सकता है. ऐसे मामलों में इन–हैंड सैलरी में अधिकतम ₹2,400 तक की कमी देखी जा सकती है.कौन होगा प्रभावित और कौन रहेगा बेअसर

₹15,000 से ₹25,000 वाले कर्मचारीः इन्हें अनिवार्य रूप से पहली बार पीएफ के दायरे में लाया जाएगा. इनकी लंबी अवधि की बचत बढ़ेगी. ₹25,000 से अधिक वेतन वाले (जो ₹15,000 पर कैप्ड थे)ः इनका पीएफ योगदान ₹1,800 2. इन–हैंड सैलरी में कमी (क्रेडिट और सीटीसी मॉडल)ः जिन कर्मचारियों का पीएफ अब तक ₹15,000 की सीमा पर ही काटा जा रहा था, उनके वेतन से अब ₹1,200 से बढ़कर ₹3,000 हो जाएगा.जो पहले से पूरे बेसिक वेतन पर पीएफ दे रहे हैंः ऐसे कर्मचारियों के इन–हैंड वेतन पर कोई असर नहीं पड़ेगा, केवल उनके पीएफ और ईपीएस के आंत. रिक विभाजन में बदलाव होगा.

रणबीर कपूर का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वह एक पैपराजी पर नाराज होते हुए दिख रहे हैं.

हैदराबादः रणबीर कपूर अपने शांत और संयम भरे व्यवहार के लिए जाने जाते हैं. हालांकि, हाल ही में मुंबई में एक रेस्टोरेंट के बाहर मौजूद फोटोग्राफरों में से एक पर एक्टर का गुस्सा फूट पड़ा. शनिवार, 26 सितंबर की रात, रणबीर को मुंबई में एक रेस्टोरेंट के बाहर 'लव एंड वॉर' के डायरेक्टर संजय लीला भंसाली, अपनी पत्नी आलिया भट्ट और को–स्टार विक्की कौशल के साथ देखा गया. उन्होंने मुस्कुराते हुए पैपराजी का अभिवादन किया और तस्वीरों के लिए पोज दिए. फोटो सेशन के दौरान, एक फोटोग्राफर के जोर से चिल्लाने पर रणबीर चिढ़ गए. वहां से निकलते समय, 'रामायण' स्टार उस फोटोग्राफर पर भड़क गए रणबीर कपूर, आलिया भट्ट और विक्की कौशल को मुंबई में एक रेस्टोरेंट के बाहर 'लव एंड वॉर' के डायरेक्टर संजय लीला भंसाली के साथ देखा गया, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. 'लव एंड वॉर' की कास्ट ने फिल्ममेकर संजय लीला भंसाली के साथ पोज दिया. कुछ तस्वीरें खिंचवाने के बाद संजय फ्रेम से बाहर निकलने की कोशिश करने लगे, शायद इसलिए कि पैपराजी तीनों की एक साथ तस्वीर ले सकें. लेकिन रणबीर ने जिद की कि फिल्ममेकर वापस आएं और उनके साथ पोज दें. फोटोशूट के बाद, रणबीर कपूर एक फोटोग्राफर पर गुस्सा करते दिखे जो

बार–बार चिल्लाकर उन्हें आलिया और विक्की के साथ पोज देने के लिए कह रहा था. जाते समय, रणबीर ने उस फोटोग्राफर की ओर देखा और कहा, "बहुत बोल रहा है तू". इसके बाद यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया और लोग एक्टर के जवाब पर अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं. वीडियो में, रणबीर आलिया को भीड़ से दूर ले गए. उन्होंने आलिया को कार तक पहुंचाया और यह पक्का किया कि वह भीड़ से सुरक्षित निकल जाएं, जबकि फोटोग्राफर लगातार तस्वीरें खींचते रहे. रणबीर कपूर ऑलिव ग्रीन शॉर्ट कुर्ता और ब्लैक जींस में बहुत अच्छे लग रहे थे। वहीं, आलिया भट्ट नियॉन ग्रीन कलर की ड्रेस में बहुत खूबसूरत लग रही थीं, जबकि विक्की कौशल ने क्लासिक व्हाइट शर्ट और ब्लैक पैंट पहनी थी. संजय लीला भंसाली की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'लव एंड वॉर' इस साल की सबसे बड़ी फिल्मों में से एक है. रणबीर कपूर, आलिया भट्ट और विक्की कौशल जैसे तीन बड़े सितारे पहली बार संजय लीला भंसाली की एक मेगा फिल्म में साथ आ रहे हैं. हाल ही में मेकर्स ने तीनों कास्ट का फर्स्ट लुक जारी कर फैंस को चौंका दिया है. तीनों कलाकार नए अवतार में नजर आ रहेऑलिव ग्रीन शॉर्ट कुर्ता और ब्लैक जींस में बहुत अच्छे लग रहे थे। वहीं, आलिया भट्ट नियॉन ग्रीन कलर की ड्रेस में बहुत खूबसूरत लग रही थीं, ` हैं. यह फिल्म 21 जनवरी, 2027 को सिनेमाघरों में

जैम च्तंकपेम ठव• वििपबम ब्वससमबजपवद क्ंल 6ः नानी के लिए शनिवार रहा शानदार, फिल्म ने 150 करोड़ का आंकड़ा किया पार

द पैराडाइज ' रिव्यूः टिकट खरीदने से पहले जानें कैसी है नेचुरल स्टार नानी की फिल्म, पढ़ें क्या बोले दर्शक नानी स्टारर फिल्म 'द पैराडाइज' सिनेमाघरों में भारी चर्चा और प्रशंसक. ों के उत्साह के बीच आज रिलीज हुई, लेकिन नकारात्मक प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आने के साथ ही फिल्म को लेकर चर्चा का रुख तेजी से बदल गया. इस फिल्म ने नानी के करियर की सबसे बड़ी एडवांस बुकिंग में से एक दर्ज की थी और नियमित शो से पहले ही दुनिया भर में 40 करोड़ रुपये से अधिक की प्री–सेल्स की. रिलीज के रिव्यू आने के बाद दर्शकों का मन बदलता दिख रहा है.

कई सोशल मीडिया यूजर्स ने फिल्म को निराशाजनक बताया और हाल ही में रिलीज हुई यश की फिल्म ' टॉक्सिक' से इसकी तुलना करते हुए इसे कमतर बताया. कुछ ने नानी से बेहतर स्क्रिप्ट चुनने को कहा, वहीं कुछ ने फिल्म में राघव जुयाल की अभिनय पर सवाल उठाए. वहीं, कम से कम एक फैन ने आलोचना का खंडन करते हुए सवाल उठाया कि क्या फिल्म को 'पैसे देकर फैलाई गई नकारात्मकता' का सामना करना पड़ रहा है.एक यूजर ने लिखा, 'शुरू से अंत तक एक घटिया फिल्म, बस शुरुआत थोड़ी अच्छी है. महिलाओं के खिलाफ हिंसा वाले भड़काऊ सीन लिखना भावनाओं को जगाने का तरीका नहीं है. कुछ मजेदार पलों के साथ, ये फिल्म बनावटी किरदारों से भरी है. सरासर घटिया'एक अन्य यूजर ने लिखा, 'फिल्म बेहद निराशा. जनक है /छंउमपेछंदप कृपया जर्सी जैसी अच्छी स्क्रिप्ट चुनें. आप अपनी प्रतिभा को बर्बाद कर रहे हैं'. एक अन्य यूजर ने लिखा, 'शुरुआती 15 मिनट को छोड़कर, पूरा आधा हिस्सा बिल्कुल बेकार था. फिर दूसरा आधा हिस्सा आया और हमें लगा कि लाइगर कितनी अच्छी फिल्म थी रुनानी, आप बड़ी फिल्मों के लिए नहीं बने हैं. आप हाय नन्ना जैसी हल्की–फुल्की, भावनात्मक फिल्मों के लिए ही बने हैं'.एक अन्य यूजर ने लिखा, 'राघव जुयाल को द पैराडाइज में उनके अभिनय के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार मिलना चाहिए. भाई को अभिनय का मतलब ही नहीं पता. कोई उन्हें इतनी बड़ी फिल्म में कैसे कास्ट कर सकता है? कितना घटिया अभिनय है'.एक अन्य टिप्पणी में कहा गया, "रुजेमस्तंकपेम के प्रीमियर के बाद रुव्व•पब को सकारात्मक समीक्षाएं मिल रही हैं. एक अन्य पोस्ट में लिखा था, नानी के करियर की सबसे खराब फिल्म, आपदा'एक फैन ने किया नानी को रापोर्टआलोचनाओं के बीच एक फैन ने अभिनेता का बचाव करते हुए लिखा, 'यह अविश्वसनीय है कि नानी की फिल्म पैराडाइज को नकारात्मक समीक्षाएं मिल रही हैं. किसी ने तो यह भी कहा कि पैराडाइज' ' टॉक्सिक' से भी बदतर है , वहीं किसी ने कहा कि पहला भाग अच्छा है लेकिन दूसरा भाग असहनीय है. क्या यह वाकई एक खराब फिल्म है या नानी की फिल्म के खिलाफ पैसे देकर फैलाई गई नकारात्मकता है? मुझे नानी और अनिरुद्ध के संगीत पर पूरा भरोसा है ' आया शेर' मेरा इस समय का पसंदीदा गाना है'.फल्म के बारे में

रिलीज से पहले ही, 'द पैराडाइज' ने एडवांस टिकट बिक्री के जरिए नानी

'जो औरत अपने पति को मारने..' गोविंदा की रूमर्ड गर्लफ्रेंड कोमल रानी के एक्टर की पत्नी सुनीता आहूजा पर संगीन आरोप

गोविंदा और कोमल रानी स्वर्णकार के कथित अफेयर की खबरें जल्द ही शांत होने वाली नहीं हैं. हाल ही में एक इंस्टाग्राम स्टोरी में कोमल रानी ने सुनीता आहूजा पर तीखी टिप्पणी करते हुए उनकी हालिया टिप्पणियों की निंदा की है. गोविंदा और कोमल ने हाल ही में लालबागचा राजा मंदिर में साथ में बप्पा के दर्शन किए थे, जिसके बाद सुनीता आहूजा दक्षिणेश्वर काली मंदिर गईं.

उनके दौरे के एक वीडियो में उन्हें यह कहते हुए देखा गया, 'मेरा घर बेवजह टूट रहा है'. सुनीता को जवाब देते हुए कोमल ने अपनी हालिया पोस्ट में लिखा, 'टूटे हुए घर में कोई भी घर तोड़ने वाला नहीं बन सकता'. गोविंदा के साथ अपने संबंधों को लेकर लगातार बढ़ती चर्चाओं के बीच, कोमल ने आखिरकार अपनी चुप्पी तोड़ी और इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक लंबा नोट लिखा. कोमल ने सुनीता पर अपने खिलाफ साजिश रचने का आरोप लगाते हुए कहा, 'जो औरत अपने ही पति को सालों से जान से मारने की कोशिश कर रही हो, ऐसी औरतों की बददुआएं किसी को नहीं लगतीं. कोई भी पहले से टूटे हुए घर में सेंध नहीं लगा सकता. हमारे देश के लोग इतने मूर्ख नहीं हैं कि सिर्फ इसलिए कौवे के पीछे भागें क्योंकि

किसी ने उनसे कहा है कि कौवे ने उनका कान काट लिया है. मुझे समझ नहीं आता कि एक औरत किस तरह के दर्द से गुजर रही है, जहां वह इसे ठीक करने की कोशिश करने के बजाय, इसे सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित करने का आनंद लेती दिख रही है. क्या यह सचमुच दर्द है, या यह एक सोची–समझी साजिश है?

उन्होंने आगे कहा, 'किसी पुरुष को लगातार मानसिक रूप से प्रताड़ित करना, उसे काम करने से रोकना, उसे घर पर बैठा कर निष्क्रिय कर देना, उसे पूरी तरह से अलग–थलग कर देना और उसे मृत्यु के कगार तक पहुंचा देना. मुझे नहीं लगता कि कोई अच्छी और समर्पित पत्नी अपने पति के साथ इतना बुरा व्यवहार कर सकती है. क्या ऐसी महिलाएं मान. सिक रूप से बीमार हैं, या वे अपनी ही भलाई के लिए हद से ज्यादा चालाक हैं, जो अच्छी तरह जानती हैं कि जो काम वे बंद दरवाजों के पीछे नहीं कर पाईं, उसे वे सार्वजनिक रूप से लोगों की सहानुभूति हासिल करके कर सकती हैं? अपने स्वार्थ के लिए मेरे नाम का इस्तेमाल करना बंद करो. ईश्वर हर भ आदमी को ऐसी धूर्त महिलाओं से बचाए'.

गोविंदा–कोमल रानी की अफवाहेंगोविंदा और कोमल रानी के बीच संबंधों को लेकर अटकलें इस साल की शुरुआत में तब तेज हुईं जब दोनों को मुंबई एयरपोर्ट पर एक साथ देखा गया. कोमल, गोविंदा के

72वां नेशनल फिल्म अवॉर्ड्सः गुजरात पहुंचे कार्तिक आर्यन, स्टैच्यू ऑफ यूनिटी से सामने आई 'चंदू चौंपियन' एक्टर की झलक

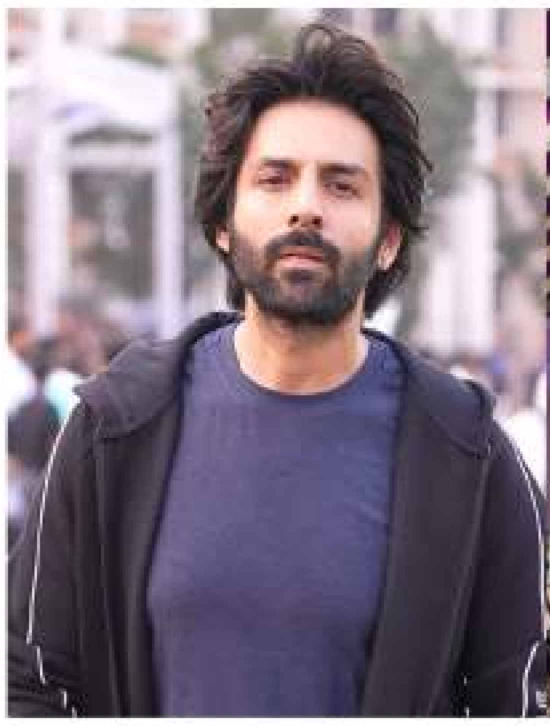

गुजरात में 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' आकर्षण का केंद्र बनने के लिए तैयार है, क्योंकि 22 सितंबर को केवड़िया के एकता नगर में 72वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स का आयोजन होने जा रहा है. इस प्रतिष्ठित समारोह के लिए आयोजन स्थल को भव्य रूप दिया गया है, जहां मेहमानों के लिए एक बड़ा पंडाल, एयर–कंडीशंड डोम और व्यापक इंतजाम किए गए हैं. राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू इस समारोह में पुरस्कार प्रदान करेंगी, जो दोपहर 3 बजे शुरू होगा. इस बहुप्रतीक्षित समारोह से पहले बॉलीवुड एक्टर कार्तिक आर्यन कार्यक्रम में शामिल होने के लिए गुजरात पहुंच चुके हैं.

72वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स समारोह के लिए पूरे भारत से फिल्म स्टार्स गुजरात के नर्मदा जिले के एकता नगर (केवड़िया) पहुंचने लगे हैं. केवडिया पहुंचने वालों में से कार्तिक आर्यन एक थे. सोशल मीडिया पर कार्तिक का कार्यक्रम स्थल पर पहु. चने का वीडियो सामने आया है.

नेशनल लेवल के समारोह में शामिल होने वाले कार्तिक का होटल में पारंपरिक तरीके से स्र्ईस फीचर फिल्मों, नॉन–फीचर फिल्मों और सिनेमा पर लेखन में उत्कृष्टता को मान्यता देते हैं. ये अवॉर्ड्स भारत की भाषाओं, क्षेत्रों और सिनेमाई रूपों की फिल्मों और फिल्म निर्माण को शामिल करते हैं.

2024 फिल्म वर्ष के प्रमुख सम्मानों में, 'आर्टिकल 370' को बेस्ट फीचर फिल्म के रूप में चुना गया है, जबकि 'भंगार' ने बेस्ट नॉन–फीचर फिल्म का पुरस्कार जीता है और 'राम–नामी' को बेस्ट डॉक्यूमेंट्री का नाम दिया गया है.मम्मूटी और कार्तिक आर्यन क्रमशः 'ब्रह्मयुगम' और 'चंदू चौंपियन' के लिए बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड शेयर करेंगे. वहीं, यामी गौतम को 'आर्टिकल 370' के लिए बेस्ट एक्ट्रेस के रूप में चुना गया है. वागत किया गया. ढोल–नगाड़ा, माला, आरती और तिलक लगाकर एक्टर का स्वागत किया गया. एक वीडियो में एक्टर को लोगों के साथ फोटो क्लिक भी कराते हुए देखा गया. राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 22 सितंबर को 2024 के लिए भारतीय सिनेमा में उपलब्धियों के लिए अवॉर्ड्स देंगी. दिग्गज कन्नड़ एक्टर अनंत नाग को भारतीय सिनेमा में उनके योगदान और पांच दशकों से अधिक के करियर के लिए 2024 का दादा साहब फाल्के अवॉर्ड मिलेगा. सरकार ने इस महीने की शुरुआत में दादा साहब फाल्के पुरस्कार चयन समिति की सिफारिश पर इस पुरस्कार की घोषणा की थी.

954 में शुरू किए गए नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स फीचर फिल्मों, नॉन–फीचर फिल्मों और सिनेमा पर लेखन में उत्कृष्टता को मान्यता देते हैं. ये अवॉर्ड्स भारत की भाषाओं, क्षेत्रों और सिनेमाई रूपों की फिल्मों और फिल्म निर्माण को शामिल करते हैं.

2024 फिल्म वर्ष के प्रमुख सम्मानों में, 'आर्टिकल 370' को बेस्ट फीचर फिल्म के रूप में चुना गया है, जबकि 'भंगार' ने बेस्ट नॉन–फीचर फिल्म का पुरस्कार जीता है और 'राम–नामी' को बेस्ट डॉक्यूमेंट्री का नाम दिया गया है.मम्मूटी और कार्तिक आर्यन क्रमशः 'ब्रह्मयुगम' और 'चंदू चौंपियन' के लिए बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड शेयर करेंगे. वहीं, यामी गौतम को 'आर्टिकल 370' के लिए बेस्ट एक्ट्रेस के रूप में चुना गया है. रणदीप हुड्डा को 'स्वातंत्र्य वीर साव. रकर' के लिए डायरेक्टर की बेस्ट डेब्यू फिल्म का अवॉर्ड्स मिलेगा. ये अवॉर्ड्स कई व्यावसायिक रूप से सफल और समीक्षकों द्वारा सराही गई फिल्मों को भी मान्यता देंगे. 'कल्कि 2898 ।क' ने बेस्ट पॉपुलर फिल्म का खिताब हासिल किया है. जबकि 'अमरन' को निर्देशक राजकुमार पेरियासामी के लिए बेस्ट डायरेक्शन का अवॉर्ड मिला है.

'न्कजं ज्ममत' ज्तंपसमतः पाकिस्तानी जासूस बना हिंदुस्तानी देशभक्त, हंस–हंसकर लोटपोट कर देगी आयुष्मान खुराना–सारा की फिल्म का ट्रेलर

आयुष्मान खुराना और सारा अली खान की आगामी स्पाई कॉमेडी फिल्म 'उड़ता तीर' दर्शकों को एंटरटेन करने के लिए तैयार है. बुधवार, 23 सितंबर को फिल्म का मजेदार ट्रेलर जारी किया गया है. यह फिल्म कॉमेडी, एक्शन और जासूसी का एक मजेदार मिश्रण होने का वादा करती है, जिसमें आयुष्मान का किरदार एक मिशन में फंस जाता है.धर्मा प्रोडक्शन ने 23 सितंबर को उड़ता तीर का ट्रेलर अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपलोड किया और कैप्शन में लिखा, 'पेश है जबरदस्त कॉमेडी. ऐसी जो पहले कभी नहीं देखी. तैयार हो जाइए, क्योंकि यह मिशन एक रोलरकोस्टर

राइड जैसा है.'

'उड़ता तीर' का ट्रेलर

'उड़ता तीर' के ट्रेलर की शुरुआत पाकिस्तान के मिलिट्री ऑफिस से होता है. वॉयज ओवर में यह कहते हुए सुना जा सकता है कि हिंदुस्तानी एक के एक जासूस पाकिस्तान में भेज रहा है. लेकिन अब पाकिस्तान, हिंदुस्तान में अपना जासूस भेजेगा. 3 मिनट 18 सेकंड के इस ट्रेलर में आयुष्मान खुराना को बिलाल अहमद के तौर पर दिखाया गया है, जो एक पाकिस्तानी जासूस है और उसे एक मिशन पर भारत भेजा जाता है. लेकिन, एक धमाके में बिलाल की याददाश्त चली जाती है और कहानी में एक बड़ा मोड़ आता है. अपनी पहचान को लेकर उलझन में रहने के बाद, आखिरकार

published by KALIDINDI SUMALATHA from 1-7-750/1-3, F 103, SRUTHI SADAN APTS ST PIOUS SCHOOL ROAD, RAMNAGAR, HYDERABAD, TELANGANA - 500020. on behalf of RS USAR PUBLICATIONS, edited by RAGHURAMA RAJU KALIDINDI and printed by KALIDINDI SUMALATHA at KING DIGITAL OFFSET PRINTERS, 1-7-750/1-3, F 103, SRUTHI SADAN APTS ST PIOUS SCHOOL ROAD, RAMNAGAR, HYDERABAD, TELANGANA – 500020. PRGI NO: TGHIN/26/A7665, Email: rsusarp@myyahoo.com, 9849350555, 9515121467